epaper.dehatsandesh.com

3 मेंढर में मंत्री जावेद राणा ने की विकास कार्यों की समीक्षा, जन समस्याएं सुनीं

5 करमन कौर थांडी ने फ्रेंच ओपन महिला एकल क्वालीफाइंग ड्रा में बनाई जगह

8 कठुआ-उधमपुर एक दशक से अधिक समय में विकास केंद्र के रूप में उभरा

मौसम जम्मू न्यूनतम 25 अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

# देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-120 | जम्मू तवी, मंगलवार 19 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

## भारत-नार्वे व्यापार को करेंगे दोगुना, बढ़ाएंगे हरित साझेदारी और समुद्री सहयोग

**नई दिल्ली, 18 मई।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नोर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के बीच सोमवार को ओस्लो में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने भारत-नॉर्वे संबंधों को हरित रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। यह स्वच्छ ऊर्जा, समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था और हरित परिवर्तन के क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों नेताओं ने 2030 तक भारत और नॉर्वे के बीच मौजूदा व्यापार के मूल्य को दोगुना करने के लक्ष्य पर जोर दिया। वहीं, नार्वे 'हिंद-प्रशांत महासागर पहल' में शामिल होने पर सहमत हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज ओस्लो में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। भारत और नॉर्वे के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रतीक एक विशेष भाव के रूप में आज सुबह ओस्लो हवाई अड्डे पर उनके आगमन पर प्रधानमंत्री स्टोर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-नॉर्वे संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की, जिसमें व्यापार और निवेश, भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर अनुवर्ती कार्रवाई, जलवायु कार्रवाई और ऊर्जा बदलाव, ब्लू इकोनॉमी और महासागर व्यवस्था, अनुसंधान और उच्च शिक्षा, आर्कटिक और ध्रुवीय सहयोग, अंतरिक्ष, और प्रतिभा की गतिशीलता शामिल हैं। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री ने भारत में नॉर्वे के उद्यमों द्वारा अधिक निवेश का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने 2030 तक भारत और नॉर्वे के बीच मौजूदा व्यापार के मूल्य को दोगुना करने के लक्ष्य पर जोर दिया, और व्यापार प्रतिनिधियों को विभिन्न क्षेत्रों में गतिशील गठजोड़ की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि टीईपीए के तहत 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता को पूरा किया जा सके और भारत में दस लाख नौकरियों का सृजन किया जा सके।

दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी टीमों को ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने का निर्देश दिया, जिसमें समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, जहाज निर्माण, हरित नौवहन, सुरंग निर्माण और बुनियादी ढांचा, अंतरिक्ष, एआई, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, नाविकों का प्रशिक्षण, मत्स्य पालन और जलीय कृषि शामिल हैं।

उन्होंने यूएनसीएलओएस के सिद्धांतों की पुनः पुष्टि की और 'हिंद-प्रशांत महासागर पहल' में नॉर्वे के शामिल होने का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने नॉर्वे को जून 2026 में फ्रांस में आयोजित होने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच एक 'स्टार्ट-अप इनोवेशन हब' और 'हरित नवाचार हैकाथॉन' स्थापित करने का सुझाव भी दिया।

## आतंकियों की भर्ती नगण्य, कश्मीर ने आतंकवाद को नकार दिया : एलजी

### मुख्यमंत्री उमर 'बेहतरीन काम' कर रहे हैं: सिन्हा

**श्रीनगर, 18 मई।** जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि आतंकवादी संगठनों में भर्ती अब लगभग नगण्य हो चुकी है और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को हाशिए पर धकेल दिया गया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री Omar Abdullah की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि वे बेहतरीन काम कर रहे हैं।

एक राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल को दिए साक्षात्कार में एलजी सिन्हा ने कहा, हमारी सुरक्षा एजेंसियां पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही हैं। चाहे टेलीग्राम हो, व्हाट्सएप हो या कोई अन्य प्लेटफॉर्म, एजेंसियां हर पहलू पर निगरानी रख रही हैं और स्थिति नियंत्रण में बनी रहेगी।

एलजी ने कहा कि आतंकवादी नेटवर्क और नशीले पदार्थों की तस्करी एक ही माध्यम से संचालित होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि

नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से गुरेज, तंगधार और उड़ी जैसे सेक्टरों के माध्यम से तथा ड्रोन के जरिए जम्मू-कश्मीर में नशीले पदार्थ पहुंचाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, नशीले पदार्थों का सीधा संबंध आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकवादी गतिविधियों से है। उन्होंने बताया कि युवाओं में बढ़ती नशे की लत को लेकर लगातार शिकायतें मिलने के बाद प्रशासन ने नशा विरोधी अभियान को तेज कर दिया है।

एलजी सिन्हा ने कहा कि धार्मिक नेताओं, विद्यार्थियों, महिलाओं और युवा समूहों सहित समाज के सभी वर्गों के लोग नशा विरोधी अभियान से जुड़ चुके हैं।

उन्होंने कहा, पिछले 38 दिनों में 766 एफआईआर दर्ज की गई हैं, 856 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 677 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ड्रग नेटवर्क को तोड़ने के लिए पासपोर्ट सत्यापन, आधार ट्रैकिंग, लुकआउट नोटिस और संपत्तियों को ध्वस्त करने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारा ध्यान दो चीजों पर है — नशे की सप्लाई चेन को तोड़ना और इसके खिलाफ जागरूकता पैदा करना।

एलजी ने कहा कि लगभग 90 प्रतिशत पुलिस बल नशा विरोधी अभियानों में लगा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि जनता का सहयोग भी काफी बढ़ा है और लोग स्वेच्छा से कथित नशा तस्करों की जानकारी प्रशासन को दे रहे हैं।

## खबर संक्षेप

### अनंतनाग में ड्रग तस्कर के 1.10 करोड़ रुपये के आवासीय घर को किया कुर्क

**श्रीनगर, 18 मई।** पुलिस ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक कथित ड्रग तस्कर के 1.10 करोड़ रुपये के आवासीय घर को कुर्क कर लिया। कुर्क की गई संपत्ति में श्रीगुफवारा क्षेत्र के नौशहरा निवासी कुख्यात ड्रग तस्कर अजाज अहमद भट का दो मंजिला आवासीय घर शामिल है। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि नशीली दवाओं के खतरे और नशीले पदार्थों की तस्करी के माध्यम से उत्पन्न अवैध संपत्तियों के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए अनंतनाग में पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 (एफ) के प्रावधानों के तहत लगभग 1.10 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है।

### भारतीय शेयर बाजार विभिन्न झटकों को झेलने में सक्षमः तुहिन कांत पांडेय

**भुवनेश्वर, 18 मई।** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से वैश्विक वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव बढ़ा है, लेकिन भारतीय शेयर बाजार 'विभिन्न तरह के झटके झेल पाने' में सक्षम हैं। पूंजी बाजार नियामक सेबी के अध्यक्ष ने यहां आयोजित 'क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी' के इतर संवाददाताओं से कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में पैदा होने वाले संकट का असर अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ता है।

## जम्मू-कश्मीर सरकार ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों के लिए डीए दो फीसदी बढ़ाया

**श्रीनगर, 18 मई।** जम्मू और कश्मीर सरकार ने नियमित कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। डीए दर को मूल वेतन/मूल पेंशन के मौजूदा 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है।

आदेशों में कहा गया है कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए उसी अवधि के लिए बकाया का भुगतान पूरी तरह से नकद में किया जाएगा। डीए बकाया पर नियोक्ता का 14 प्रतिशत हिस्सा निकाला जाएगा, जबकि कर्मचारी का 10 प्रतिशत योगदान स्रोत पर काटा जाएगा और उनके संबंधित पीआरएएन खातों में जमा किया जाएगा। 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत लाभ पाने वाले पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए जनवरी से अप्रैल तक के बकाया का भुगतान मई 2026 में नकद में किया जाएगा। आदेशों में यह भी कहा गया है कि पेंशनभोगियों के लिए डीए गणना में एक रुपये के अंश को अगले उच्च रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा मूल वेतन को परिभाषित करते हुए वित्त विभाग ने स्पष्ट किया कि यह 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत वेतन मैट्रिक्स के निर्धारित स्तर पर आहरित वेतन को संदर्भित करता है और इसमें विशेष वेतन या कोई अन्य भत्ते शामिल नहीं हैं। यह निर्देश तत्काल कार्यान्वयन के लिए प्रधान महालेखाकार (ए एंड ई) जम्मू-कश्मीर, जम्मू-कश्मीर के मंडलायुक्तों और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय सहित सभी प्रमुख प्रशासनिक विभागों को प्रसारित कर दिए गए हैं।

## संसदीय समिति ने एनटीए प्रमुख को बुलाया, गुरुवार को एनटीए सुधारों और नीट-यूजी पेपर लीक मामले की होगी समीक्षा

**नई दिल्ली, 18 मई।** एक संसदीय समिति ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में लागू किए जा रहे सुधारों और नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। इसके लिए समिति ने एनटीए के अध्यक्ष Pradeep Kumar Joshi तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को चर्चा के लिए बुलाया है।

शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल मामलों की संसदीय स्थायी समिति 21 मई को शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से कथित पेपर लीक और एनटीए सुधारों पर उनके विचार जानेगी। राज्यसभा की अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। एनटीए देशभर में विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केंद्रीकृत परीक्षाएं आयोजित करता है बैठक के एजेंडे में के. राधाकृष्णन समिति की एनटीए सुधार संबंधी रिपोर्ट के क्रियान्वयन की समीक्षा तथा कथित नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच की प्रगति पर चर्चा शामिल है।

कांग्रेस नेता Digvijaya Singh की अध्यक्षता वाली समिति ने शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी और एनटीए अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी को विचार-विमर्श के लिए तलब किया है।

एनटीए ने 3 मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक) यानी नीट-यूजी को अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द कर दिया था। इस परीक्षा के लिए लगभग 23 लाख उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था और इसे देशभर में एनटीए द्वारा आयोजित किया गया था। एनटीए के अनुसार, कथित गड़बड़ियों की जानकारी परीक्षा आयोजित होने के चार दिन बाद, 7 मई की शाम को प्राप्त हुई थी।

## जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर गर्म, शुष्क मौसम के साथ लू चलने की संभावना

**श्रीनगर, 18 मई।** मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 18 मई को पूरे जम्मू-कश्मीर में आम तौर पर गर्म और शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की है साथ ही जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 19 से 21 मई तक मौसम की स्थिति बदलने की उम्मीद है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे साथ ही हल्की बारिश, गरज के साथ बौछारें तेज़ हवाएँ और कई स्थानों पर ओले गिरने की संभावना है खासकर दोपहर और शाम के समय। मौसम विभाग ने कहा कि 22 से 25 मई तक केंद्र शासित प्रदेश में पूर्वाह्न के दौरान आम तौर पर शुष्क मौसम रहने की संभावना है जबकि दोपहर या देर दोपहर के समय अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 26 से 28 मई तक शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है।

अपनी सलाह में मौसम केंद्र ने 19 से 21 मई के दौरान कश्मीर और जम्मू दोनों डिविजनों में कुछ स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की गति के साथ गरज बिजली और तेज़ हवाओं की संभावना की चेतावनी दी। विभाग ने लोगों को संभावित तेज़ हवाओं और तूफान के मद्देनजर नौकायन और शिकारा की सवारी को विशेष रूप से दोपहर और देर दोपहर के घंटों के दौरान निलंबित करने की सलाह दी।

## सदन समितियों के प्रमुखों की नियुक्ति में स्पीकर का विवेक पार्टी हितों से प्रेरित नहीं हो सकता :सुनील शर्मा

**जम्मू, 18 मई।** विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर और विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा के बीच बयानबाजी की लड़ाई सोमवार को तेज हो गई जिसमें सुनील शर्मा ने सवाल उठाया और पूछा कि क्या वरिष्ठता का पैमाना केवल भाजपा पर लागू होता है न कि सत्तारूढ़ गठबंधन पर जिसके पहली बार के विधायकों को गैर-वित्तीय समितियों के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है।

मीडिया को जारी एक बयान में शर्मा ने सदन समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति के मुद्दे पर स्पीकर के दावों को नकारते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आपत्तियों का जवाब देने के बजाय गलत काम को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह गैर-वित्तीय सदन समितियों के प्रमुखों की नियुक्ति में स्पीकर का विवेक पार्टी हितों से प्रेरित नहीं हो सकता है, बल्कि इसे निष्पक्षता और अच्छी तरह से स्थापित परंपराओं द्वारा निर्देशित होना चाहिए। अध्यक्ष के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि उन्हें ऐसा चित्रित करने का प्रयास किया गया है जैसे कि वह तीन वित्तीय समितियों के गठन की प्रक्रिया से अनभिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को मीडिया को जारी अपने हैंडआउट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि छह गैर-वित्तीय समितियों के प्रमुखों की नियुक्ति में विपक्ष को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि स्पीकर का यह दावा कि लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष का पद भारतीय जनता पार्टी को दिया गया है, पार्टी के लिए कोई उपकार नहीं है बल्कि पूरे देश में एक अच्छी तरह से स्थापित परंपरा है। उन्होंने कहा, पीएसी अध्यक्ष का पद हमेशा विपक्ष के पास रहा है, चाहे वह संसद हो, राज्य हो या विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश हों। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष का यह दावा कि भाजपा के वरिष्ठ सदस्यों को वित्तीय समितियों में समायोजित किया गया है और उन्हें अन्य समितियों के प्रमुख के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है, संदिग्ध है।

## भारत की प्रगति सामूहिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता पर करती है निर्भर : ओम बिरला

**नई दिल्ली, 18 मई।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत, समानता, समावेशिता, सहयोग और सामूहिक भागीदारी, आधुनिक युग में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेन ने सामाजिक समरसता और साझा उत्तरदायित्व पर आधारित शासन व्यवस्था का मॉडल स्थापित किया था, जो आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

ओम बिरला ने ये विचार नई दिल्ली स्थित होटल ली मेरिडियन में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के राष्ट्रीय अधिवेशन एवं शपथग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बिरला ने अपने संबोधन से पहले अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल और कोषाध्यक्ष नत्थू राम जैन सहित अन्य पदाधिकारियों का शपथ दिलाई। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी बालक आनंद गिरि महाराज भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति सामूहिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता पर निर्भर करती है, जो स्वदेशी और समावेशी विकास की भावना को प्रतिबिंबित करती है।

## सरकार ने नागरिकता नियम 2009 में संशोधन किया

**नई दिल्ली, 18 मई।** पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के इच्छुक आवेदकों को अब अपने मूल देश के पासपोर्ट की स्थिति के संबंध में घोषणा देनी होगी। यह जानकारी गृह मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी अधिसूचना में दी गई। गृह मंत्रालय ने नागरिकता नियम 2009 में संशोधन करते हुए एक नया प्रावधान जोड़ा है, जिसके अनुसार आवेदक के पास पाकिस्तान, अफगानिस्तान या बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी वैध या समाप्त हो चुका पासपोर्ट नहीं होना चाहिए। यदि आवेदक के पास सक्रिय पासपोर्ट है, तो उसे पासपोर्ट नंबर तथा जारी होने की तिथि, स्थान और समाप्ति तिथि जैसी जानकारी देनी होगी। यह जानकारी राजपत्र अधिसूचना में दी गई है। आवेदकों को यह घोषणा भी देनी होगी कि नागरिकता आवेदन स्वीकृत होने के 15 दिनों के भीतर वे अपना वैध या समाप्त हो चुका पासपोर्ट संबंधित वरिष्ठ डाक अधीक्षक या डाक अधीक्षक के पास जमा कर देंगे।

## साकीना इत्तू ने जम्मू-कश्मीर में प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की योजनाओं की समीक्षा की

**श्रीनगर, 18 मई।** शिक्षा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने आज जम्मू-कश्मीर में समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) व्यवस्था को मजबूत और बेहतर बनाने के लिए प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा करने हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में समाज कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव सरमद हफीज, शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव राम निवास शर्मा, आईसीडीएस मिशन निदेशक सज्जाद हुसैन गनई, समग्र शिक्षा परियोजना निदेशक भवानी रखवाल, स्कूल शिक्षा कश्मीर के निदेशक नसीर अहमद वानी, स्वास्थ्य सेवाएं कश्मीर के निदेशक, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभागों के वित्त एवं योजना निदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वहीं, स्कूल शिक्षा जम्मू के निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं जम्मू के निदेशक, समाज कल्याण जम्मू के निदेशक, बीआईएसएजी-एन के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान मंत्री ने प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा से जुड़ी चल रही योजनाओं, आधारभूत ढांचे की तैयारियों, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, बच्चों के सीखने के परिणामों, नामांकन की स्थिति तथा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए समन्वय तंत्र की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए साकीना इतू ने बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में प्रारंभिक बाल शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था पूरे शिक्षा

तंत्र की नींव है और बच्चों के शुरुआती जीवन में उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से ईसीसीई ढांचे के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए मंत्री ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे पोषण, स्कूल के लिए तैयारी और बुनियादी शिक्षा के परिणामों में सुधार सुनिश्चित करने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में पंजीकृत बच्चों के रिकॉर्ड में यदि कोई दोहराव हो तो उसे समाप्त किया जाए। मंत्री ने कहा कि सरकार एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो समावेशी हो, सभी बच्चों को समान अवसर दे और बच्चों के अनुकूल वातावरण प्रदान करे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्री-प्राइमरी संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों में खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

## रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से राजनाथ वियतनाम और कोरिया की यात्रा पर रवाना

**नयी दिल्ली 18 मई।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रणनीतिक सैन्य सहयोग को गहरा करने, रक्षा औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करने तथा समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया की यात्रा पर रवाना हुए।

रक्षा मंत्रालय ने आज बताया कि श्री सिंह 18 से 19 मई तक वियतनाम की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जिसके बाद वह 19 से 21 मई तक दक्षिण कोरिया की यात्रा करेंगे।

श्री सिंह ने दोनों देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले सोशल मीडिया में एक पोस्ट में दोनों एशियाई देशों की यात्रा को लेकर उत्साह व्यक्त किया ताकि द्विपक्षीय सहभागिता के दायरे का और विस्तार किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दौरान मुख्य ध्यान रणनीतिक सैन्य सहयोग को गहरा करने, रक्षा औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करने तथा समुद्री

सहयोग को बढ़ावा देने पर होगा, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को प्रोत्साहन मिलेगा।

रक्षा मंत्री की वियतनाम यात्रा दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, जिसे पांच से सात मई तक वियतनाम के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित किया गया था। श्री सिंह वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री जनरल फान वान जियांग के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी के लिए 2030 तक के संयुक्त दृष्टि वक्तव्य पर रक्षा मंत्री की 2022 की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। यह दृष्टि वक्तव्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के लिए स्पष्ट दिशा निर्धारित करता है। दोनों लोकतांत्रिक देशों की क्षेत्र में शांति और समृद्धि में समान रुचि है। श्री सिंह की यह यात्रा 19 मई को वियतनाम के पूर्व राष्ट्रपति हो ची मिन्ह की 136वीं जयंती के अवसर के साथ भी मेल खाती है। रक्षा मंत्री हो ची मिन्ह समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और सम्मान प्रकट करेंगे। दक्षिण कोरिया की यात्रा के दौरान श्री सिंह कोरिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री आह्न ग्यू-बैक के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। मंत्रीगण दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा करेंगे और द्विपक्षीय सहभागिता को और मजबूत करने के लिए नई पहलों पर विचार करेंगे। वे साझा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

# लॉ

## सिर्फ वकालत ही नहीं करियर के लिए और भी हैं अवसर

**बारहवीं पास करने के बाद छात्रों के सामने लॉ में भी करियर बनाने का विकल्प होता है। कानूनी पेशा युवाओं के बीच बीते कुछ वर्षों में काफी लोकप्रिय हुआ है। चुनौतियों से भरा होने के बावजूद यह पेशा करियर की दृष्टि से एक आकर्षक विकल्प है। कानून से जुड़ी पेचिदगियों और विस्तृत होते समाज के बीच वकीलों की भूमिका बेहद अहम हो गई है। उनका महत्व तब और भी बढ़ जाता है, जब समाज में तेजी से कानूनी प्रक्रियाओं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता आ रही हो। लगभग हर दिन कोई न कोई नया आविष्कार या तकनीकी विकास होता है, इस कारण समय-समय पर सरकार को नए कानून बनाने या पूर्व प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत पड़ती है। परिणामस्वरूप नए कानूनों की जद में आने वालों के लिए पेशेवर कानूनी सलाह लेना जरूरी हो जाता है। इस वजह से भी वकीलों यानी लॉयर की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है।**

### कौन हैं लॉयर

प्रतिष्ठित शब्दकोशों के मुताबिक लॉयर वह व्यक्ति है, जो कानूनी दांवपेचों को जानने और समझने में कुशल हो। एक अन्य परिभाषा पर गौर करें, तो लॉयर किसी सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा अधिकृत वह व्यक्ति होता है, जो लॉ की प्रैक्टिस करने के अलावा अपने क्लाइंटों को कानूनी मुद्दों पर सलाह देने का कार्य करता है। किसी आम व्यक्ति की दृष्टि से देखें, तो लॉयर वह व्यक्ति है, जो किसी व्यवस्था (खासकर वैधानिक) की खामियों को तलाशने में दक्ष होता है।

### लॉयर का काम

कानून के ये पेशेवर अपने क्लाइंट के लिए वकील और सलाहकार (एडवाइजर) की भूमिका निभाते हैं। दीवानी (सिविल) या फौजदारी (क्रिमिनल) मामलों में ये वादी (कम्प्लेनेंट) या प्रतिवादी (डिफेंडेंट) का संबंधित अदालतों में पक्ष रखते हैं। वह अदालत में अपने क्लाइंट की ओर से मुकदमा दायर करते हैं और उसके पक्ष को लेकर बहस भी करते हैं। वह किसी मामले विशेष के लिए कानूनी स्थितियों को स्पष्ट भी करते हैं। एडवाइजर या सॉलिसिटर के रूप में वह अपने क्लाइंट को परामर्श देते हैं कि उनके (क्लाइंट के) मामले से संबंधित तथ्यों पर कौन–सा कानून किस तरह लागू होगा। अदालत में मामला पहुंचने पर सॉलिसिटर संबंधित मामले की पैरवी करने वाले वकील को जरूरी सलाह भी देते हैं।

### कैसे बनें वकील

लॉ की पढ़ाई के बाद शुरुआती दौर में किसी वकील के साथ जूनियर असिस्टेंट के रूप में काम करना होता है। इस दौरान फाइलिंग, रिसर्च, अदालतों से तारीख लेना, नियोक्ता वकील के साथ अदालत की कार्यवाही में हिस्सा लेना और केस ड्राफ्ट करना (मुकदमे के कागजात तैयार करना) आदि काम करने पड़ते हैं। वकालत से जुड़ी इन बुनियादी चीजों को समझने के बाद स्वतंत्र रूप से वकील के रूप में काम शुरू किया जा सकता है।

### कैसे बनें सॉलिसिटर

इसके लिए आर्टिकलशिप या पढ़ाई के दौरान किसी सॉलिसिटर फर्म में जूनियर के रूप में काम किया जा सकता है। यहां भी जूनियर को वकालती पेशे से जुड़े रोजमर्रा के काम (मसलन केस को पढ़ना, सूट फाइल करना और नोटिस तैयार करना आदि) करने होते हैं। इस दौरान जूनियर को अपने वरिष्ठों के मार्गदर्शन में तरह–तरह के कानूनों (लेबर, टैक्सेशन और इंडस्ट्रियल लॉ आदि) से संबंधित मामलों को समझने का मौका मिलता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद जूनियर अपने वरिष्ठों के समान ही दक्ष हो जाते हैं। इसके बाद वह किसी भी सॉलिसिटर फर्म में सॉलिसिटर बन सकते हैं। मौजूदा वक्त में लॉ ग्रेजुएट के लिए भरपूर संभावनाएं हैं। वह एडवोकेट के रूप में किसी न्यायालय में प्रैक्टिस करने के अलावा किसी कॉर्पोरेट फर्म के लिए भी काम कर सकते हैं। इसी तरह राज्यों के लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली न्यायिक सेवा परीक्षा को पास करके जज भी बना सकता है। वकालत का लंबा अनुभव होने पर सॉलिसिटर जनरल या पब्लिक प्रोसिक्यूटर बनने का भी अवसर होता है। इसी अनुभव की बदौलत सरकारी विभागों और मंत्रलयों में भी काम हासिल करना संभव होता है। इतना ही नहीं लॉयर बनकर किसी फर्म या ऑर्गनाइजेशन में लीगल एडवाइजर या लीगल काउंसिल के रूप में भी काम किया जा सकता है। इसके अलावा उनके पास टैक्स, एक्साइज, पेटेंट, लेबर और इंवायरन्मेंटल लॉ आदि से संबंधित लीगल कंसल्टेंसी फर्मों में काम करने का भी विकल्प होता है। वह विभिन्न ट्रस्टों के लिए ट्रस्टी के रूप में और प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों में लीगल रिपोर्टर के रूप में भी काम कर सकते हैं। लॉ पेशेवरों के पास लॉयर बनने के इतर भी करियर के लिहाज से कई विकल्प होते हैं। वह लॉ कॉलेजों और स्कूलों में लेक्चरर या असिस्टेंट प्रोफसर बनकर अध्यापन कर सकते हैं। इतना ही नहीं वह राजनीति में भी उतर सकते हैं, क्योंकि काम के सिलसिले में उनका काफी लोगों से संपर्क रहता है।

### योग्यता

छात्र अपनी सुविधा के अनुसार लॉ के तीन वर्षीय या पांच वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में से किसी एक को अध्ययन के लिए चुन सकते हैं। तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद मिलता है, जबकि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिला बारहवीं के बाद होता है। देश के जिन विश्वविद्यालयों में लॉ का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध है, वहां संबंधित संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले होते हैं। पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की दाखिला प्रक्रिया को देखें, तो देश की 14 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी इसके लिए क्लैट (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) नाम से प्रवेश परीक्षा का आयोजन करती हैं। इस परीक्षा में 50 फीसदी अंकों के साथ बारहवीं पास हुए छात्र आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा में इंग्लिश, जनरल नॉलेज, मैथमेटिकल एबिलिटी, लीगल एप्टिटयूड और लॉजिकल रीजनिंग से प्रश्न पूछे जाते हैं। देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों में भी लॉ में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के लिए ये सभी संस्थान अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करते हैं।

लॉ में बैचलर डिग्री पाने के बाद एलएलएम और पीएचडी भी किया जा सकता है। इससे शिक्षण के क्षेत्र में जाने में मदद मिलेगी। अगर आप किसी किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहते हैं, तो पीजी डिग्री और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

### पाठ्यक्रमों का नियमन

देश में एलएलबी पाठ्यक्रमों का नियमन बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) करता है। इसके अलावा देश में वकालत के लिए जरूरी दिशा–निर्देशों और नियमों को तय करने का कार्य भी बीसीआई करता है।

### जरूरी गुण

बेहतर संवाद कौशल
अच्छी याददाश्त
त्वरित प्रतिक्रिया देने का सामर्थ्य
तार्किकता और चीजों का विश्लेषण करने में दक्षता
ध्यान से बातों को सुनने का धैर्य
दायरों को पार जाकर सोचने का हुनर
कानूनी पहलुओं की बेहतर जानकारी
समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करने का जज्बा

### उपलब्ध पाठ्यक्रम

एलएलबी, अवधि – तीन वर्ष
बीए एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
बीएससी एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
बीकॉम एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
एलएलएम पीएचडी

### संबंधित संस्थान

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
सिंबायोसिस सोसायटीज लॉ कॉलेज, पुणे
नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर
नल्सर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद
नेशनल लॉ इंस्टीटयूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी
गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली

# होम साइंस में भी संभव है बेहतर कॅरियर और रोजगार की तलाश

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले छात्रों के लिए साइंस, कॉमर्स और ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के बाद होम साइंस के रूप में एक और विकल्प होता है। करियर के लिहाज से यह विकल्प छात्रों और अभिभावकों के बीच बहुत ज्यादा चर्चित नहीं है। इसकी वजह कुछ गलत धारणाएं हैं, जो होम साइंस स्ट्रीम में मौजूद अवसरों की जानकारी न होने से छात्रों और अभिभावकों में बनी हैं। आज के कॉलम में पढ़िए होम साइंस स्ट्रीम और उससे जुड़े तरक्की के आयामों के बारे में।

### क्या है होम साइंस स्ट्रीम

यह एक ऐसी स्ट्रीम है, जिसे भ्रांतिवश सही संदर्भो में न समझकर सिर्फ लड़कियों के लिए मान लिया जाता है। काफी अभिभावक लड़कियों की शिक्षा को जरूरी मानते हैं, लेकिन वह इससे भी ज्यादा अहमियत इस बात को देते हैं कि लड़कियां घर और उसके कामकाज को संभालन में ज्यादा कुशल हों। होम साइंस की पढ़ाई में होम मैनेजमेंट के प्रशिक्षण के अलावा कई तरह के रोजगारों में उपयोगी कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसलिए यह कहना ठीक नहीं है कि यह स्ट्रीम सिर्फ लड़कियों के लिए ही उपयोगी है। इस स्ट्रीम के तहत मिलने वाले प्रशिक्षण का लाभ लड़के भी रोजगार कुशलता (इंप्लॉयबिलिटी स्किल) बढ़ाने में कर सकते हैं। बदलती सामाजिक परिस्थितियों में घर और पारिवारिक जीवन के कल्याण और उनकी देखरेख के लिए आधुनिक ढंग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त होम मैनेजमेंट जरूरी है। इस जरूरत को पूरा करने की शिक्षा और उपयोगी प्रशिक्षण देने का कार्य होम साइंस करता है। यह 'बेहतर जीवनशैली' पर केंद्रित शिक्षा है और इसकी अवधारणा का मूल बिंदु पारिवारिक पारिस्थितिकी (इकोसिस्टम) का निर्माण है।

### होम साइंस का विषय क्षेत्र

इस स्ट्रीम के पाठ्यक्रम में साइंस और ह्यूमेनिटीज के विषय भी शामिल होते हैं। इस कारण इस स्ट्रीम का अध्ययन क्षेत्र काफी व्यापक होता है। इसमें केमिस्ट्री, फिजिक्स, फिजियोलॉजी, बायोलॉजी, हाइजिन, इकोनॉमिक्स, रूरल डेवलपमेंट, चाइल्ड डेवलपमेंट, सोशियोलॉजी एंड फैमिली रिलेशन्स, कम्यूनिटी लिविंग, आर्ट, फूड, न्यूट्रिशन, क्लॉथिंग, टेक्सटाइल्स और होम मैनेजमेंट आदि विषय शामिल होते हैं।

### 10वीं के बाद है उपलब्ध

विषय के रूप में होम साइंस सीबीएसई और ज्यादातर राज्य बोर्डो में 11वीं और 12वीं कक्षा के स्तर पर उपलब्ध है। कॉलेज के स्तर पर इस विषय की उपलब्धता को देखें, तो यह देश के काफी विश्वविद्यालयों में तीन वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जा रहा है। इस विषय के साथ बीए या बीएससी डिग्री हासिल की जा सकती है। होम साइंस में ग्रेजुशन के बाद इस विषय में मास्टर डिग्री की पढ़ाई करने के अलावा फैशन डिजाइनिंग, डाइटिटिक्स, काउंसलिंग, सोशल वर्क, डेवलपमेंट स्टडीज, इंटरप्रिन्योरशिप, मास कम्यूनिकेशन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी आदि विषयों में भी पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। इस विषय के छात्रों के पास बीएड करने का भी विकल्प रहता है।

### होम साइंस के प्रमुख क्षेत्र

फूड एंड न्यूट्रिशन
रिसोर्स मैनेजमेंट
ह्यूमन डेवलपमेंट
फैब्रिक एंड अपेरल साइंस
कम्यूनिकेशन एंड एक्सटेंशन

इन क्षेत्रों के अलावा कुछ अन्य विषय भी होम साइंस के पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–इंटरप्रिन्योरशिप, फैमिली लाइफ एजुकेशन, चाइल्ड डेवलपमेंट, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, होम इकोनॉमिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, फूड प्रिजर्वेशन और फैशन डिजाइनिंग।

### उपलब्ध पाठ्यक्रम

डिप्लोमा इन होम साइंस 'बीएससी (होम साइंस) 'बीएससी (ऑनर्स) होम साइंस बीएचएससी 'बीएससी (ऑनर्स)फूड एंड न्यूट्रिशन 'बीएससी (ऑनर्स) ह्यूमन डेवलपमेंट
एमएससी (होम साइंस) 'पीएचडी

### जरूरी गुण

विश्लेषणात्मक सोच 'प्रायोगिक और तार्किक दृष्टिकोण 'वैज्ञानिक सूझबूझ 'चीजों को व्यवस्थित करने का हुनर – सौंदर्यबोध और रचनाशीलता
प्रभावी संवाद कौशल
विवेक के साथ घरेलू जुड़े कार्यों को करने में रुझान हो
संतुलित नजरिया

### रोजगार के मौके

टेक्सटाइल के क्षेत्र में मर्चेंडाइजर या डिजाइनर
हॉस्पिटल और खाद्य क्षेत्र में न्यूट्रिशनिस्ट या डाइटिशियन
टूरिस्ट रिजोर्ट, रेस्टोरेंट और होटल में हाउस कीपिंग कार्य की देखरेख
शैक्षणिक या कामकाजी संस्थानों में कैंटरिंग सुविधा देने का कार्य
खाद्य उत्पादों के निर्माण और विकास कार्यों का पर्यवेक्षण
रिसोर्स मैनेजमेंट
फैमिली काउंसलर
सोशल वर्क और ह्यूमन डेवलपमेंट
अनुसंधान और शिक्षण कार्य
टेक्सटाइल, फूड, बेकिंग और कंफेक्शनरी के क्षेत्र में स्वरोजगार

### संबंधित संस्थान

दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
यूनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे, मुंबई
आचार्य एनजी रंगा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
इलाहाबाद एग्रीकल्चरल इंस्टीटयूट, इलाहाबाद
चंद्रशेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, कानपुर
यूनिवर्सिटी ऑफ कैलकटा, कोलकाता
राजस्थान एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, बीकानेर
राजेंद्र एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पूसा
नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, फैजाबाद
गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर
महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उदयपुर
सीएसके हिमाचल प्रदेश एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पालमपुर

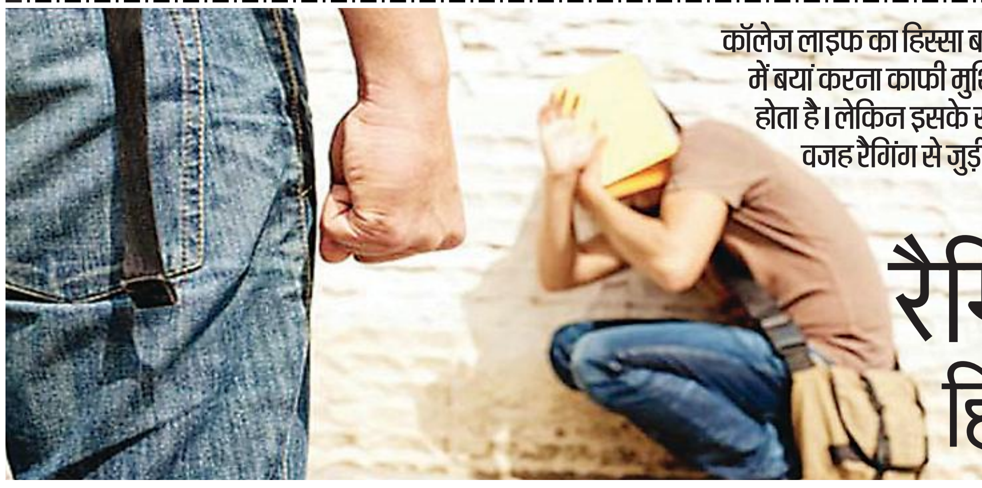

**कॉलेज लाइफ का हिस्सा बनने से जुड़ी अनुभूति बेहद खास होती है। इस अहसास को शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है। हर छात्र में कॉलेज के पहले दिन को लेकर एक उत्साह होता है। लेकिन इसके साथ ही छात्रों के मन में रैगिंग से जुड़ा एक डर भी होता है। इसकी वजह रैगिंग से जुड़ी वे घृणित और अमानवीय घटनाएं होती हैं, जिनकी सूचना उन्हें अखबारों, समाचार चैनलों या अपने दोस्तों से मिली होती है।**

# रैगिंग से घबराएं नहीं

## हिम्मत से करें मुकाबला

रैगिंग को आमतौर पर पुराने छात्रों द्वारा कॉलेज लाइफ में नए छात्रों के स्वागत का दोस्ताना तरीका माना जाता है। एक रूप में इसे नए छात्रों और पुराने छात्रों के बीच की दूरियों को पाटने का प्रयास भी माना जाता है, जो नए छात्रों को अपने वरिष्ठों (सीनियर्स) के साथ घुलने–मिलने और संवाद कायम करने का मौका देता है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में सामने आए कई मामलों ने इसे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के माध्यम के रूप में कुख्यात कर दिया है।

### कॉलेज के पहले दिन

अच्छे मिजाज और खुले दिमाग के साथ कॉलेज में पहले दिन की शुरुआत करें। अगर वरिष्ठ आपसे कोई मजाकिया या दिमागी सवाल पूछें, आपको कोई सामूहिक काम सौंपें, नाचने या गाने को कहें, तो उनकी बातों को सहजता से मान लें। इनमें से कई चीजें आपके लिए सामाजिक रूप से चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन इनसे आपको अपने कंफर्ट जोन से बाहर कदम बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह आपके लिए एक अनुभव जैसा होगा, जो आपको सिखाएगा कि नई तरह की चुनौतियों के दबाव से कैसे निपटा जाता है। कुछ वरिष्ठ आपको ऐसे भी मिल सकते हैं, जो आपके सामने अपनी वरिष्ठता जताने की कोशिश करेंगे, ऐसी स्थिति का सहज रहते हुए अपने विवेक के सहारे सामना करें। इस दौरान अगर आपको महसूस हो कि वह (वरिष्ठ छात्र) मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं, तो तत्काल वहां से हट जाएं। एक बात हमेशा ध्यान में रखिए कि किसी कार्य को करने के लिए कोई भी आपको मजबूर नहीं कर सकता है। इसी तरह किसी की बात पसंद न आने पर आपको उस जगह से जाने से भी कोई नहीं रोक सकता है। अगर कोई आपकी इच्छा के विरुद्ध आपको जबरदस्ती कुछ करने के लिए मजबूर करता है, तो चुप मत रहिए, तत्काल अपने कॉलेज प्रशासन को अपने साथ हुए व्यवहार की शिकायत कीजिए। हर कॉलेज के परिसर में एक एंटी–रैगिंग स्क्वाड होता है, जो गलत ढंग से छात्रों के साथ की जाने वाली रैगिंग पर नजर रखने और दोषियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार होता है। ऐसी स्थिति में आप कॉलेज प्रशासन द्वारा स्थापित किए गए हेल्पलाइन नंबरों पर भी मदद के लिए संपर्क कर सकते हैं।

### रैगिंग से बचने के कुछ तरीके

अगर कोई आपके साथ मारपीट करता है, तो खुद मारपीट में उलझने की बजाए इस स्थिति से खुद को बचाने के लिए वहां से भागने की कोशिश करें। फिर कॉलेज के शिक्षकों या प्रशासनिक अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित करके मदद मांगें।

सभी के साथ सहज व्यवहार करें और खुद को कहीं से भी डरा हुआ या अजनबी महसूस न होने दें। इसी के साथ यह भी जरूरी है कि आप खुद को अति आत्मविश्वासी और ज्यादा तेज भी न दिखाएं।

कॉलेज में किसी परिचित (दोस्त, रिश्तेदार या कोई करीबी व्यक्ति) को तलाशने की कोशिश करें, जो कॉलेज के माहौल में ढलने में आपकी मदद कर सके।

लोगों और अपने सहपाठियों के साथ बात करने में सावधानी बरतें। कोई ऐसी बात न करें, जो तार्किक रूप से गलत हो मसलन किसी शहर, धर्म या जाति आदि से संबंधित लोगों को तुच्छ बताना। इसी तरह बातचीत के क्रम में शब्दों के इस्तेमाल पर भी खास ध्यान दें, क्योंकि बिना किसी दुर्भावना के कही गई सामान्य से सामान्य बात को भी लोगों द्वारा तोड़–मरोड़कर गलत अर्थों में पेश किया जा सकता है। अगर कभी गलती से आप ऐसी किसी स्थिति में फंस जाएं, तो लोगों के बीच आपसी संवाद को बढ़कर स्थिति को सामान्य करने की कोशिश करें।

दाखिला लेने से पहले कॉलेज के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने की कोशिश करें। अगर उसमें रैगिंग से जुड़े मामलों की ज्यादा संख्या के बारे में पता चले, तो किसी और कॉलेज में प्रवेश लेने के विकल्प के बारे में भी सोचें।

### रैगिंग होने पर क्या करें

अपने अभिभावकों को सूचित करें। यह मत सोचें कि जो हुआ वह चलता रहता है और उसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।
कॉलेज में शिकायत करें।
अपने दोस्तों को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

# मेंढर में मंत्री जावेद राणा ने की विकास कार्यों की समीक्षा, जन समस्याएं सुनीं

**मेंढर, 18 मई (हि.स.)।** जल शक्ति, वन, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने सोमवार को मेंढर उपमंडल के डाक बंगले में विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने विकास कार्यों, पेयजल आपूर्ति, सिंचाई ढांचे और जनकल्याण योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं समय पर पूरी हों और आम जनता को निर्बाध सुविधाएं मिलें। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में पानी की सप्लाई व्यवस्था को सुचारू रखने पर जोर दिया। इसके बाद आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम में लोगों ने पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क संपर्क, पीएमएवाई-जी और वन अधिकार अधिनियम से जुड़ी समस्याएं उठाईं। मंत्री ने सभी जायज मांगों को समयबद्ध तरीके से हल करने का भरोसा दिलाया।

राणा ने अधिकारियों को गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि सरकार जमीनी स्तर पर विकास को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

# जम्मू में नुक्कड़ नाटक के जरिए दिया गया नशा मुक्त समाज का संदेश

**जम्मू, 18 मई (हि.स.)।** जम्मू में एक साथ रंग मंडल की ओर से सोमवार थिएटर श्रृंखला के तहत 517वां मंडे थिएटर आयोजित किया गया। इस दौरान हरि सिंह पार्क के सामने ब्रिज लॉज जम्मू में प्रगतिशील नुक्कड़ नाटक नशा एक बीमारी, रोकना होगा का मंचन किया गया। नाटक में सेवानिवृत्त सूबेदार दुर्गा प्रसाद ने नशा मुक्ति अभियान का संदेश देते हुए युवाओं, अभिभावकों और समाज के लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत एक गंभीर मानसिक बीमारी है, जो व्यक्ति को बार-बार नशे की ओर ले जाती है और इससे शरीर व समाज दोनों प्रभावित होते हैं।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नशे वाले माहौल और ऐसे दोस्तों से दूरी बनानी चाहिए जो नशे का सेवन करते हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए खेल, व्यायाम और संगीत जैसी सकारात्मक गतिविधियों को अपनाने की सलाह दी। दुर्गा प्रसाद ने समाज से नशा मुक्त समाज बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता, पुनर्वास और निवारक शिक्षा के माध्यम से युवाओं को नशे की बुराइयों से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए इसके संदेश को प्रभावशाली बताया। नाटक में शैले सिंह, रोमिका, राहुल देव, नीरज और विजय मल्ला ने अभिनय किया।

# केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में यूजी और पीजी कोर्सों के लिए दाखिले शुरू

**जम्मू, 18 मई (हि.स.)।** केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न अंडर ग्रेजुएट (यूजी), इंटीग्रेटेड और पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। प्रवेश प्रक्रिया नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट सीयूईटी-यूजी और सीयूईटी-पीजी 2026 के माध्यम से होगी। विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्रोफेसर एवं एसोसिएट डीन अकादमिक डॉ. उदय प्रताप सिंह ने बताया कि यूजी और इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को मई 2026 में आयोजित होने वाली सीयूईटी-यूजी परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि पीजी कार्यक्रमों में दाखिला सीयूईटी-पीजी 2026 में प्राप्त मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में एमएससी बॉटनी, बायोटेक्नोलॉजी, केमिस्ट्री, पर्यावरण विज्ञान, गणित, फिजिक्स और जूलॉजी सहित कई विज्ञान विषयों में पीजी कोर्स उपलब्ध हैं। इसके अलावा एमए इन कंपेरेटिव रिलिजन एंड सिविलाइजेशन, इंग्लिश, हिंदी, मास कम्युनिकेशन एंड न्यू मीडिया, नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज, पब्लिक पॉलिसी एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन तथा सोशल वर्क में भी प्रवेश दिए जाएंगे। इसके साथ ही एमटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एमबीए, एमबीए मार्केटिंग मैनेजमेंट, एमबीए टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट और एमएड कार्यक्रमों में भी दाखिले होंगे।

डॉ. उदय प्रताप सिंह ने बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू अपनी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुभवी फैकल्टी और शोध आधारित वातावरण के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर 401-600 बैंड में स्थान मिला है, जबकि नेचर इंडेक्स रैंकिंग में 22वां स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय में इसरो और डीआरडीओ के रिसर्च सेंटर भी स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में आधुनिक पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, डिजिटल सुविधाएं, खेल एवं मनोरंजन ढांचा और प्लेसमेंट सहायता जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। त्रिकुटा पहाड़ियों की तलहटी में फैला 600 एकड़ से अधिक का हरित परिसर छात्रों के लिए बेहतर शैक्षणिक माहौल प्रदान करता है।

# नौकरी गई, जान पर बनी, 42 डिग्री तापमान में धरने पर बैठे कठुआ के श्रमिक बेहोश, सिस्टम मौन

**कठुआ, 18 मई (हि.स.)।** कठुआ के गोविंदसर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक निजी औद्योगिक इकाई में 110 श्रमिकों को कथित तौर पर बिना नोटिस निकाले जाने के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। पिछले तीन दिनों से अपनी मांगों को लेकर इकाई के मुख्य द्वार के बाहर धरने पर बैठे श्रमिकों में से कई सोमवार को तेज गर्मी के कारण बेहोश हो गए।

जानकारी के अनुसार करीब 42 डिग्री तापमान के बीच प्रदर्शन कर रहे मजदूरों की तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए जीएमसी कठुआ ले जाया गया। प्रदर्शनकारी श्रमिकों का कहना है कि वे पिछले तीन दिनों से लगातार धरने पर बैठे हैं लेकिन न तो कंपनी प्रबंधन और न ही प्रशासन का कोई प्रतिनिधि उनकी सुध लेने पहुंचा। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी पूर्व नोटिस के नौकरी से निकाल दिया गया जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कई श्रमिकों ने बताया कि वे पिछले 8-9 वर्षों से कंपनी में कार्यरत थे लेकिन अचानक उन्हें बाहर कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में नौकरी की बहाली या उचित मुआवजा शामिल है। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि इसी इकाई में नौकरी संभव नहीं है तो उन्हें किसी अन्य यूनिट में समायोजित किया जाए। श्रमिकों का कहना है कि उनके परिवार इस फैसले से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।

श्रमिकों ने लेबर कमिश्नर कार्यालय पर भी लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि वहां भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही और केवल तारीख पर तारीख दी जा रही है। धरने पर बैठे मजदूरों ने यह भी अपील की कि जब तक उनका मामला हल नहीं होता उन्हें फैक्ट्री परिसर के अंदर बैठने की अनुमति दी जाए ताकि वे भीषण गर्मी से बच सकें। उनका कहना है कि बाहर खुले में बैठने से उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है।

# डीवाईएसएस ने बहु-जोन खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं की भागीदारी बढ़ाई

**बारामुला, 18 मई।** जिला युवा सेवा एवं खेल विभाग (डीवाईएसएस) बारामुला ने नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जिले के विभिन्न शिक्षा जोनों में अंतर-विद्यालयी जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन जारी रखा है। इसका उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को खेल, स्वास्थ्य और नशामुक्त भविष्य की ओर प्रेरित करना है।

उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के शानदार प्रदर्शन के बीच विभिन्न जोनों में अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जोन डेंजरपोरा ने हाई स्कूल शिवा में अंडर-14 और अंडर-17 बालकों के लिए अंतर-विद्यालयी योग प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें लगभग 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी लचीलापन, एकाग्रता तथा समर्पण का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योग के महत्व को उजागर किया। इसी प्रकार, जोन डांगीवाचा ने क्लस्टर बहरामपोरा और क्लस्टर डांगीवाचा में अंडर-14 बालिकाओं के लिए खो-खो प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिताओं में भारी उत्साह देखने को मिला, जहां क्लस्टर बहरामपोरा में 156 और क्लस्टर डांगीवाचा में 120 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों की खेल भावना और शानदार प्रदर्शन ने कार्यक्रम को और अधिक जीवंत बना दिया।

जिलेभर के खेल अभियान को आगे बढ़ाते हुए जोन सिंगपोरा पट्टन ने अंडर-14 और अंडर-17 बालकों के लिए कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को टीमवर्क, शक्ति और रणनीतिक कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

इसी तरह, जोन फतेहगढ़ ने सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेहगढ़ में अंडर-14 और अंडर-17 बालकों के लिए खेल प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें लगभग 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

# नासिर असलम ने जम्मू में गर्मी, यात्राओं और ईद की तैयारियों की समीक्षा की

**जम्मू, 18 मई।** मुख्यमंत्री के सलाहकार ने आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर जम्मू संभाग में गर्मी के मौसम की तैयारियों, आगामी यात्राओं की व्यवस्थाओं, खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता तथा ईद-उल-अजहा के आयोजन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में जम्मू के मंडलायुक्त रमेश कुमार, आईजीपी जम्मू भीमसेन टूटी, डीआईजी ट्रैफिक जम्मू-कश्मीर डॉ. हसीब मुगल, जम्मू नगर निगम आयुक्त देवांश यादव, जेपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक गुरपाल सिंह, जम्मू के उपायुक्त राकेश मिन्हास, विभिन्न विभागों के प्रमुख तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक की शुरुआत में मंडलायुक्त जम्मू ने पूरे संभाग में गर्मी के मौसम की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान लोगों को निर्बाध सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

# पुलिस की तत्परता-बिलावर से लापता महिला को सकुशल परिवार से मिलाया

**बिलावर, 18 मई (हि.स.)।** कठुआ पुलिस ने बिलावर क्षेत्र में लापता हुई एक महिला को खोजकर उसके परिजनों से मिलाने में सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में की गई।

जानकारी के अनुसार बीत 10 मई को केवल सिंह निवासी भड्डू मोढ़ा चरौली तहसील बिलावर ने अपनी पत्नी पूजा देवी 31 वर्ष के लापता होने की शिकायत थाना बिलावर में दर्ज करवाई थी। इस पर पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। थाना बिलावर की टीम ने एसएचओ के नेतृत्व और एसडीपीओ बिलावर की निगरानी में तकनीकी व मानवीय प्रयासों के जरिए महिला को ढूंढ निकाला। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

# कॉलेज में नशा मुक्त प्रतिज्ञा कार्यक्रम, युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश

**कठुआ, 18 मई (हि.स.)।** गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में नशा मुक्त प्रतिज्ञा कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. संगीता सुदान के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सपना देवी ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संगीता सुदान ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए उन्हें नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश के स्वस्थ और प्रगतिशील भविष्य के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

# जाविद डार ने जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना प्रक्रिया पूरी की, इसे डिजिटल शासन में मील का पत्थर बताया

**श्रीनगर, 18 मई।** कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री Javid Ahmad Dar ने आज जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना प्रक्रिया पूरी की। इसे भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल और कागजरहित जनगणना प्रक्रिया बताया जा रहा है।

मंत्री ने इस पहल को देश की डिजिटल शासन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस जनगणना में उन्नत डिजिटल तकनीकों, मोबाइल आधारित डेटा संग्रह प्रणाली और स्व-गणना तंत्र का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कार्यों में अधिक दक्षता, पारदर्शिता, सटीकता और वास्तविक समय की निगरानी सुनिश्चित होगी।

जाविद डार ने कहा कि डिजिटल जनगणना अभियान बेहतर प्रशासन और डेटा आधारित नीति निर्माण के लिए तकनीक के उपयोग के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने नागरिकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की, ताकि व्यापक और सटीक आंकड़े एकत्र किए जा सकें। 17 मई से 31 मई 2026 तक चलने वाले इस स्व-गणना चरण में आवास और भवनों की स्थिति से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र की जाएंगी। प्रश्नावली में आवासीय स्थिति, घरेलू संपत्तियां, सुविधाएं, स्वच्छता और पेयजल की उपलब्धता, निर्माण का प्रकार, संचार और परिवहन सुविधाएं, बिजली और इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी जानकारियां शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि विश्वसनीय जनगणना आंकड़े विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक-आर्थिक प्रगति एवं जनकल्याण के लिए लक्षित नीतियां बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

# खाद्य निरीक्षण अभियान चलाया

**श्रीनगर, 18 मई।** जम्मू-कश्मीर खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त के निर्देश पर ड्रग्स एंड फूड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (डीएफसीओ) के खाद्य विभाग ने स्थानांतरण अवधि के दौरान सरकारी आवासों और होटलों में रह रहे कर्मचारियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इस संबंध में संबंधित सहायक आयुक्त, खाद्य सुरक्षा की निगरानी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई है, जो विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों और एस्टेट विभाग द्वारा कर्मचारियों के लिए किराए पर लिए गए आवासों का निरीक्षण कर रही है।


**उत्तर रेलवे**

**निविदा सूचना**

वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/इलेक्ट्रिक लोको शेड, उत्तर रेलवे, लुधियाना के लिए और भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदाएं नं. 2025-26-15A आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा तिथि **10.06.2026** को **15.00 बजे** तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इन निविदाओं के लिए मैनुअल प्रस्ताव मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैनुअल प्राप्त प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदकर्ता निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि के भुगतान करने के लिए केवल आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड व क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं। मैन्युअल भुगतान जैसे डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रसीदों व एफ.डी.आर. आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

| | |
|---|---|
| **टेंडर संख्या** | 2025-26-15A |
| **कार्यों का विवरण** | 3-फेज़ इलेक्ट्रिक लोको में E-70 ब्रेक सिस्टम की व्यापक मरम्मत/ओवरहॉलिंग। |
| **अनुमानित लागत** | रु. 6,20,18,147.88/- |
| **टेंडर की कीमत** | रु. 0 |
| **निविदा समापन तिथि व समय** | 10.06.2026, 15:00 बजे तक |
| **बयाना राशि** | रु. 12,40,400/- |
| **कार्य की अवधि** | 24 महीने |
| **टेंडर खुलने की तिथि एवं समय** | 10.06.2026, 15:00 बजे के बाद |
| **वेबसाईट** | www.ireps.gov.in |

सं.: 230-Elect/TRS/LDH/WC/E-70/2025-26/15A दिनांक: 18.05.2026 1658/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# डोगरा आर्ट म्यूजियम में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

**जम्मू, 18 मई (हि.स.)।** डोगरा आर्ट म्यूजियम में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2026 बड़े उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर के अभिलेखागार, पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जम्मू पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक युधवीर सेठी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का समन्वय डोगरा आर्ट म्यूजियम के क्यूरेटर मुकुल मगोत्रा ने निदेशक कुलदीप कृष्ण सिधा के मार्गदर्शन में किया। इस अवसर पर विधायक ने अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संग्रहालय केवल पुरानी वस्तुओं का भंडार नहीं बल्कि हमारी सामूहिक स्मृतियों और पहचान को संरक्षित रखने वाले जीवंत केंद्र हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किए गए ज्ञान भारतम मिशन का भी उल्लेख किया जिसके तहत जम्मू-कश्मीर में पांडुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेजों और सांस्कृतिक अभिलेखों के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान संग्रहालय में विशेष प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें दुर्लभ पांडुलिपियां, ऐतिहासिक दस्तावेज, टेराकोटा प्रतिमाएं, पुरानी मुद्राएं, डाक टिकट संग्रह और प्रसिद्ध बसोहली चित्रकला प्रदर्शित की गई। स्कंद पुराण की ताड़पत्र पांडुलिपि और भोजपत्र पर लिखी ऐतिहासिक सामग्री ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

छात्रों और युवाओं के लिए गाइडेड गैलरी वॉक, हेरिटेज क्विज और कला कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने संग्रहालय का दौरा कर डोगरा इतिहास, कला और संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। मुकुल मगोत्रा ने बताया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस की थीम फ्संग्रहालय एक विभाजित विश्व को एकजुट करते हुए- संस्कृतियों को जोड़ना, समुदायों के बीच सेतु बनाना, शांति का निर्माण करनाफ्र रही, जो सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और शांति को बढ़ावा देने में संग्रहालयों की भूमिका को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि निदेशालय द्वारा जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों में दुर्लभ पांडुलिपियों और सांस्कृतिक धरोहरों के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण और जियो-टैगिंग का कार्य किया जा रहा है ताकि इन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। समारोह का समापन जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।


**Jammu & Kashmir Government (U.T)**

**Office of the Assistant Director Handloom Dev. Department Udhampur.**

Mail: -handloom-adudh@jk.gov.in Ph. No 01992-276080

**Subject:- Proposal for implementation of Karkhandar Scheme for the year 2026-27.**

**NOTIFICATION**

The Department of Handicrafts and Handloom invites application from interested Weavers for participation in the Karkhandar Scheme, launched for the revival and promotion of languishing traditional crafts, notified vide Govt. Order No:- 161- IND of 2021, dated 16.08.2021. During the 06 months training period, skill upgradation training for 5-10 artisans/Weavers/ex-trainees in selected crafts. The unit holder/Karkhandar shall be paid Honorarium @Rs. 2000/- per month per trainee. Besides, the Karkhandar shall also be paid Rs. 25000/- per batch as expenditure on account of all the material & logistics needed for running the training programme. The enrolled trainees shall be paid stipend @Rs. 2000/- per month per trainee.

Interested Karkhandars/unit holders may submit their proposals duly supported by the copies of the following documents to the office of the Assistant Director HandloomUdhampur (W.No. 01 Subash Nagar Udhampur).

1. Aadhar Card
2. Pan Card
3. Domicile certificate
4. Date of Birth Certificate
5. Qualification Certificate, (if any).
6. Category Certificate, (if any).
7. Bank Detail (Bank IFSC Code, Account No.)
8. Artisan/ Weavers Registration Card.
9. Affidavit

For any queries please contact us 7889931079, 9796221545.

No:-ADHU/ 100-102 Dated:-15.05.2026

Sd/-
Assistant Director
Handloom, Udhampur

**DIP/J-2201/26**
**Dtd: 18-5-2026**

# संपादकीय

## पेट्रोलियम उत्पादों की खपत कम करने के लिए मितव्ययिता अपनाने की अपील

प्रधानमंत्री द्वारा पेट्रोलियम उत्पादों की खपत कम करने के लिए मितव्ययिता अपनाने की अपील के बाद देशभर में कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने विभिन्न तरीकों से इस अभियान का समर्थन करना शुरू कर दिया है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर के कैबिनेट मंत्री Satish Sharma ने भी घाटी में पारंपरिक टांगे की सवारी कर प्रधानमंत्री मोदी की अपील का समर्थन किया और कहा कि ऐसे परिवहन साधन ईंधन की खपत कम करने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे चल रहे मितव्ययिता अभियान का समर्थन करें और वाहनों पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय वैकल्पिक परिवहन साधनों को अपनाएं। जहां तक टांगे की सवारी का सवाल है, लोग इसे केवल मनोरंजन या आनंद यात्रा के रूप में ही अनुभव कर सकते हैं, क्योंकि आधुनिक समय में किसी के लिए भी इस पुराने परिवहन साधन का नियमित उपयोग करना संभव नहीं है।

निस्संदेह, लोगों को जम्मू-कश्मीर मंत्री के इस संदेश को समझना चाहिए कि वे सार्वजनिक परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहन, साइकिल चलाने और कारपूलिंग जैसे विकल्प अपनाएं, लेकिन जम्मू-कश्मीर की सड़कों पर फिर से टांगों को लाने का विचार बिल्कुल भी व्यावहारिक नहीं है। आम लोग, जो पहले ही जगह की कमी, बढ़ते रखरखाव खर्च और पशुओं की देखभाल की सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, वे न तो आसानी से घोड़ा-गाड़ी रख सकते हैं और न ही उसका खर्च उठा सकते हैं। शहरी क्षेत्रों में घोड़ों को रखने या इन प्राचीन लकड़ी के वाहनों की देखभाल के लिए पर्याप्त स्थान भी नहीं है। इसके अलावा, पूरे केंद्र शासित प्रदेश की सड़कों को घोड़ों की लीद से गंदा होने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जो उन जगहों पर आम समस्या है जहां इस प्रकार की गाड़ियां व्यापक रूप से उपयोग की जाती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि कैबिनेट मंत्री ने आधुनिक परिवहन व्यवस्था की बदलती वास्तविकताओं और व्यावहारिक कठिनाइयों का उचित आकलन किए बिना यह अपील की। प्रतीकात्मक कदम निश्चित रूप से महत्व रखते हैं, लेकिन उन्हें आम जनता के लिए व्यवहारिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना जागरूकता बढ़ाने के बजाय भ्रम पैदा कर सकता है।

साथ ही, बढ़ती ईंधन खपत को लेकर चिंता वास्तविक है और इस पर गंभीर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। भारत कच्चे तेल के आयात पर भारी धनराशि खर्च करता है, और अनावश्यक ईंधन उपयोग का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था तथा घरेलू बजट दोनों पर पड़ता है। इसलिए नागरिकों को जिम्मेदार आदतें अपनानी चाहिए, जैसे अनावश्यक यात्रा से बचना, वाहनों का उचित रखरखाव करना और जहां संभव हो साझा या सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना। हालांकि, आधुनिक चुनौतियों के समाधान भी आधुनिक, वैज्ञानिक और टिकाऊ होने चाहिए, न कि केवल भावनात्मक या पुरानी यादों पर आधारित।

पेट्रोल और डीजल का सोच-समझकर उपयोग करना आज की आवश्यकता है, लेकिन टांगों की ओर लौटना न तो व्यावहारिक है और न ही वर्तमान समय के अनुरूप। सरकार को इसके बजाय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, विभिन्न स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने तथा भविष्य के लिए आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ विकल्पों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान देना चाहिए।

# बहुपक्षवाद का संकट और डब्लूटीओ में सुधार की अनिवार्यता

– श्री राजेश अग्रवाल

**कुछ विकसित देशों का तर्क है कि स्व-निर्धारण की मौजूदा प्रणाली अपेक्षाकृत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को उन प्रावधानों से लगातार लाभ उठाने की अनुमति देती है, जो कम विकसित राष्ट्रों के लिए बनाए गए थे। भारत इन चिंताओं को स्वीकार करता है, लेकिन सकल आर्थिक आकार जैसे मनमाने पैमानों पर आधारित सरल समाधानों के प्रति आगाह भी करता है। इसके बजाय, ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि एस एंड डीटी वास्तविक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी उपकरण बना रहे। इसके लिए एक अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है—ऐसा दृष्टिकोण, जो विकासशील दुनिया में मौजूद आर्थिक स्थितियों की विविधता को मान्यता देता हो और उसी के अनुसार लचीलापन तैयार करता हो। यह मुद्दा और भी जटिल हो जाता है, क्योंकि कई विकसित देशों ने कृषि सब्सिडी अधिकारों के संदर्भ में, जिसे कभी-कभी विपरीत एस एंड डीटी कहा जाता है, का फायदा उठाना जारी रखा है।**

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली औचित्य के गहरे संकट का सामना कर रही है। बीसवीं सदी के उत्तरार्ध और इक्कीसवीं सदी की शुरुआत में, विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) वैश्विक व्यापार का केंद्रीय स्तंभ था, जो नियम-आधारित व्यवस्था की पेशकश करने के साथ तटस्थता, पूर्वानुमेयता और निष्पक्षता का वादा करता था। हालांकि आज, ये वादे काफी कमजोर प्रतीत होते हैं। डब्लूटीओ में विश्वास की कमी, किसी एक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह संरचनात्मक असंतुलन, असमान प्रवर्तन और वैश्विक आर्थिक शक्ति के बदलते स्वरुप के संचयी प्रभाव को प्रतिबिंबित करती है। इस संकट के मूल में है - वैश्विक उत्पादन का अत्यधिक केंद्रीकरण और आक्रामक व्यापार प्रथाओं की निरंतरता। समय के साथ, आपूर्ति श्रृंखलाएँ परस्पर अत्यधिक निर्भर हो गई हैं और उनका वितरण भी असमान है, जहाँ कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अनुपात से कई गुनी ज्यादा नियंत्रण रखती हैं। हालांकि, इस केंद्रीकरण ने कुछ मामलों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक कुशल बना दिया है, लेकिन इसने उन्हें काफी हद तक कमजोर भी बना दिया। व्यवधान—चाहे भू-राजनीतिक हो, आर्थिक हो, या पर्यावरण-संबंधी हों—अब प्रणालीगत नतीजे लेकर आते हैं। परिणामस्वरूप, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी अब केवल एक आर्थिक चिंता के रूप में नहीं देखी जाती; इसे अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक अस्तित्व के मामले के तौर पर देखा जाने लगा है। धारणा में हुए बदलाव ने नीतिगत प्रतिक्रियाओं की एक ऐसी लहर को जन्म दिया है, जो बहुपक्षवाद के मौलिक सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। देश घरेलू हितों की रक्षा के लिए संरक्षण उपायों, आक्रामक औद्योगिक नीतियों और निर्यात नियंत्रण को अपना रहे हैं। हालांकि ऐसी रणनीतियाँ अल्पकालिक सहनशीलता ला सकती हैं, लेकिन वे डब्लूटीओ की सहयोग भावना और कानूनी रूपरेखा को अक्सर कमजोर कर देती हैं। तकनीकी अवरोध, महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण और भू-राजनीतिक प्रभाव के उपकरण के रूप में बाज़ार पहुंच का बढ़ता उपयोग एक व्यापक परिवर्तन का संकेत देता है- व्यापार अब केवल आर्थिक लेन-देन ही नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति के बारे में है। डब्लूटीओ सदस्यों के बीच एक व्यापक रूप से मान्य दृष्टिकोण यह है कि संगठन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को उनके प्रतिबद्धताओं के प्रति जवाबदेह ठहराने में अक्षम रहा है और इसने वर्तमान स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जब नियम असमान रूप से लागू किए जाते हैं या प्रवर्तन तंत्र विफल हो जाते हैं, तो प्रणाली में विश्वास कमजोर हो जाता है। कई देशों में, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों में, यह धारणा मजबूत हुई है कि डब्लूटीओ अब एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करता। इसके बजाय, इसे एक ऐसे संस्थान के रूप में देखा जाता है, जो तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति अनुकूल होने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस संदर्भ में, सुधार प्रयासों का केंद्रीय उद्देश्य डब्लूटीओ की विश्वसनीयता को बहाल करना हो गया है। यद्यपि डब्लूटीओ सुधार की आवश्यकता पर सदस्यों के बीच व्यापक सहमति है, फिर भी इसे हासिल करने के तरीके पर सहमति न के बराबर है। सुधार की संरचना और विषय वस्तु पर बहसें लगातार विवादास्पद होती जा रही हैं। याओंडे के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में, सदस्यों ने डब्लूटीओ के मूलभूत सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन- पुष्टि की, जिनमें निष्पक्षता, पारदर्शिता, समावेश और सहमति-आधारित निर्णय शामिल हैं। इन सिद्धांतों ने लंबे समय से डब्लूटीओ को अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से अलग बनाये रखा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी सदस्य, चाहे उनका आकार या उनकी आर्थिक शक्ति कुछ भी हो, वैश्विक व्यापार नियमों को अंतिम रूप देने में अपनी बात रख सकें। हालांकि, इन सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग को, विशेष रूप से बहुपक्षीय समझौतों से जुड़ी चर्चाओं में, समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ये समझौते डब्लूटीओ सदस्यों के उपसमूहों के बीच बातचीत के बाद तैयार किए गए हैं। इन्हें कई देश—विशेष रूप से वैश्विक उत्तर के देश —सहमति- आधारित नियम निर्माण की चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान मानते हैं। ऐसी सदस्यता के लिए, जहां विकास स्तर और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में व्यापक असमानताएँ मौजूद हैं, जटिल मुद्दों पर सर्वसम्मति प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। बहुपक्षीय समझौते आगे बढ़ने का एक तरीका प्रदान करते हैं, जिससे इच्छुक प्रतिभागी नए नियम स्थापित कर सकते हैं, इसमें उन देशों को रुकावट नहीं माना जाता, जो प्रतिबद्ध होने के लिए अभी तैयार नहीं हैं, ऐसी ही प्रणाली डब्लूटीओ से पहले गैट, 1947 (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) के तहत अस्तित्व में थी। इस मुद्दे पर भारत का रुख एक सावधानीपूर्वक तैयार संतुलनकारी कार्य को दर्शाता है। नियम-निर्माण को आगे बढ़ाने में बहुपक्षीय समझौतों की क्षमता को स्वीकार करते हुए भारत ने लगातार मजबूत सुरक्षा उपायों की मांग की है, ताकि ऐसे समझौतों द्वारा बहुपक्षीय प्रणाली को कमजोर न होना सुनिश्चित हो सके। बहुपक्षीय समझौतों को प्रमुख डब्लूटीओ सिद्धांतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए, मौजूदा कार्यादेश को कमजोर नहीं करना चाहिए या गैर-प्रतिभागी सदस्यों के लिए नुकसानदेह नहीं होना चाहिए। उन्हें बहुपक्षीय रूपरेखा की जगह लेने के बजाय एक पूरक भूमिका निभानी चाहिए। भारत एक तदर्थ, समझौता-दर-समझौता मॉडल के बजाय बहुपक्षीय समझौतों को डब्लूटीओ संरचना में समेकित करने के लिए एक व्यापक और व्यवस्थित दृष्टिकोण का समर्थन करता है। सुधार बहस का एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा, संगठन के पिछले कार्यादेशों को पूरा करने में विफलता से संबंधित है। यह कई विकासशील देशों के लिए असंतोष का एक प्रमुख कारण रहा है। ये अधूरी प्रतिबद्धताएं—जिनमें कृषि, विकास और विशेष व्यवहार प्रावधानों जैसे क्षेत्र शामिल हैं —केवल नियम बनाने की कमियों को ही नहीं दर्शातीं, बल्कि वैश्विक व्यापार प्रणाली में लंबे समय से मौजूद असमानताओं को दूर करने के अवसरों की चूक को भी उजागर करती हैं। विशेष रूप से कृषि, इन असंतुलनों की गंभीरता को दर्शाती है। विकसित देशों ने अपने कृषि क्षेत्रों को सब्सिडी देने में महत्वपूर्ण लचीलापन बनाए रखा है, जिससे उनके किसान वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहते हैं। वहीं, विकासशील देशों को अपने किसानों को दिए जाने वाले समर्थन के प्रकारों और स्तरों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। यह विषमता संरचनात्मक असुविधाओं को बनाए रखती है, वैश्विक दक्षिण में लाखों लोगों की आजीविका को कमजोर करती है और वैश्विक व्यापार प्रवाह को विकृत करती है। कृषि से परे, ऐसी न्यायसंगत रूपरेखाओं की मांग बढ़ रही है, जो प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और क्षमता निर्माण को नियंत्रित करती हैं। तेज़ तकनीकी प्रगति के युग में ज्ञान, नवाचार और ज्ञान-कौशल तक पहुँच आर्थिक विकास का एक प्रमुख निर्धारक बन गया है। फिर भी, मौजूदा नियम अक्सर मौजूदा पदानुक्रम को मजबूत करते हैं, जिससे विकासशील देशों की मूल्य श्रृंखला में ऊपरी पायदान पर चढ़ने की क्षमता सीमित हो जाती है। अधिक समावेशी और संतुलित व्यापार प्रणाली बनाने के लिए इन असमताओं को दूर करना आवश्यक है। विशेष और विभेदपूर्ण व्यवहार (एस एंड डीटी) पर बहस डब्लूटीओ सुधार की जटिलताओं को और अधिक उजागर करती है। एस एंड डीटी मूल रूप से सबसे कम विकसित और विकासशील देशों को गैर-पारस्परिक बाजार पहुँच और व्यापार प्रतिबद्धताओं को लागू करने में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था, जो अब एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। कुछ विकसित देशों का तर्क है कि स्व-निर्धारण की मौजूदा प्रणाली अपेक्षाकृत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को उन प्रावधानों से लगातार लाभ उठाने की अनुमति देती है, जो कम विकसित राष्ट्रों के लिए बनाए गए थे। भारत इन चिंताओं को स्वीकार करता है, लेकिन सकल आर्थिक आकार जैसे मनमाने पैमानों पर आधारित सरल समाधानों के प्रति आगाह भी करता है। इसके बजाय, ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होना चाहिए कि एस एंड डीटी वास्तविक विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी उपकरण बना रहे। इसके लिए एक अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है—ऐसा दृष्टिकोण, जो विकासशील दुनिया में मौजूद आर्थिक स्थितियों की विविधता को मान्यता देता हो और उसी के अनुसार लचीलापन तैयार करता हो। यह मुद्दा और भी जटिल हो जाता है, क्योंकि कई विकसित देशों ने कृषि सब्सिडी अधिकारों के संदर्भ में, जिसे कभी-कभी विपरीत एस एंड डीटी कहा जाता है, का फायदा उठाना जारी रखा है। अंतत:, बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का भविष्य इसके सदस्यों की प्रतिस्पर्धी हितों को सुलझाने और साझा संस्थानों में विश्वास पुन: स्थापित करने की क्षमता पर निर्भर करता है। चुनौतियाँ कठिन हैं, लेकिन हित इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। एक कमजोर डब्लूटीओ से एक विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म देने का खतरा है, जो एकपक्षीय और शक्ति-आधारित सौदेबाज़ी पर आधारित हो सकती है। इसके विपरीत, सुधार किये गये और फिर से सशक्त बनाये गये डब्लूटीओ में एक अधिक सुदृढ़, समावेशी और सहयोगात्मक वैश्विक व्यवस्था को आधार प्रदान करने की क्षमता है। भारत की व्यापक व्यापार रणनीति, बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी को द्विपक्षीय और क्षेत्रीय समझौतों के साथ जोड़ती है। जैसे-जैसे व्यापार नीति जटिल होती जा रही है—जिसमें नियामक मानक, डिजिटल शासन और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण शामिल है—समान विचारधारा वाले भागीदारों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मजबूत आर्थिक एकीकरण के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरे हैं। हालांकि, वर्तमान में जारी चर्चाओं में भारत की रचनात्मक भागीदारी इस कार्य की तात्कालिकता और जटिलता, दोनों को प्रतिबिंबित करती है। संतुलित, समावेशी और भविष्य-केंद्रित सुधारों को समर्थन देकर, भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि डब्लूटीओ तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिक बना रहे—एक ऐसा संस्थान, जो न केवल व्यापार को प्रबंधित करने में सक्षम हो, बल्कि एक अधिक न्यायसंगत वैश्विक आर्थिक भविष्य को आकार देने की भी क्षमता रखता हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डब्लूटीओ व्यवसायों को निश्चितता, पूर्वानुमेयता, समावेशिता, समानता और सरलता प्रदान करता है, यानि नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था।

व्यक्त किए गए विचार निजी हैं ।

(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं ।)

# एआई अर्थव्यवस्था में अग्रणी रहने की अमेरिकी रणनीति

चार्वी अरोड़ा, अमेरिकी राजदूतावास, नई दिल्ली

जब दुनिया भर की सरकारें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के भविष्य को आकार देने की होड़ में लगी हैं, तब अमेरिका स्वयं को एआई निवेश, विकास और व्यावसायीकरण के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहा है। मार्च 2026 में, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने एआई के लिए एक राष्ट्रीय नीति रूपरेखा की घोषणा की, जिसमें नवाचार, विनियमन और आर्थिक विकास पर अमेरिकी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के इंटरनेशनल ट्रेड एडमिनिस्ट्रेशन की व्यापार प्रोत्साहन शाखा फॉरेन कमर्शियल सर्विस (एफसीएस) के अनुसार, यह रूपरेखा 卐नवाचार, प्रतिस्पर्धात्मकता और जिम्मेदार तैनाती पर ध्यान केंद्रित करते हुए एआई में अमेरिका के नेतृत्व को मजबूत बनाएगी।卐 एफसीएस के एक अधिकारी ने कहा, 卐यह उद्योग को स्पष्ट नीतिगत दिशा प्रदान करती है और एआई विकास तथा व्यावसायीकरण के समर्थन के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण में निरंतरता का संकेत देती है। वैश्विक व्यवसायों और निवेशकों के लिए यह रूपरेखा इस बात का भी संकेत देती है कि अंतरराष्ट्रीय साझेदार अमेरिकी एआई बाज़ार के साथ किस प्रकार जुड़ सकते हैं, क्योंकि अमेरिका उभरती प्रौद्योगिकियों में अपने नेतृत्व का विस्तार करना चाहता है। भारत में, एफसीएस नई दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई में कार्यरत है तथा साझेदारों के साथ मिलकर व्यावसायिक सहभागिता को मज़बूत करने और अमेरिका-भारत आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में जुटा है। यह रूपरेखा उद्योग से सुझाव एकत्र करने और क्रियान्वयन को आकार देने के पहले के प्रयासों पर आधारित है। एफसीएस अधिकारी बताते हैं, अक्टूबर 2025 में जारी सूचना अनुरोध (आरएफआई) और एआई एक्सपोर्ट्स प्रोग्राम के अंतर्गत अप्रैल 2026 में शुरू किए गए प्रस्ताव आमंत्रण (सीएफपी) के साथ मिलकर यह रूपरेखा उद्योग को शामिल करने और नीतिगत लक्ष्यों को वास्तविक दुनिया की कार्रवाइयों में बदलने के चरणबद्ध प्रयास को दर्शाती है।

अधिकारी ने यह भी कहा कि इस दृष्टिकोण का उद्देश्य अमेरिकी बाज़ार से जुड़ने की इच्छुक कंपनियों के लिए अधिक स्पष्टता पैदा करना है। 卐एआई नीति के प्रति अधिक सुव्यवस्थित अमेरिकी दृष्टिकोण, अमेरिकी बाज़ार से जुड़ने वाली कंपनियों को अधिक स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करता है, जिससे निवेश, प्रवेश और विस्तार के लिए एक स्थिर वातावरण बनाने में मदद मिलती है। यह प्रौद्योगिकी साझेदारियों और सहयोग सहित अमेरिकी उद्योग के साथ गहन व्यावसायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित करेगा।

### वैश्विक एआई पूंजी के लिए प्रतिस्पर्धा

यह रूपरेखा अमेरिका में निवेश और विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए भी तैयार की गई है। अधिकारी कहते हैं, 卐इन पहलों के बीच अधिक नीतिगत सामंजस्य एआई में अमेरिकी प्राथमिकताओं के स्पष्ट संकेत प्रदान करता है। इससे निवेश संबंधी निर्णयों में विश्वास बढ़ता है, नवाचार चक्र तेज होते हैं, और उन कंपनियों के लिए मज़बूत प्रोत्साहन मिलता है जो एआई विकास और व्यावसायीकरण के वैश्विक केंद्र के रूप में अमेरिका में विस्तार या वृद्धि पर विचार कर रही हैं।

अमेरिकी सरकार की व्यापक पहलें भी कंपनियों को अमेरिका में व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने में सहायता देने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। अमेरिकी वाणिज्य विभाग और उसके निवेश प्रोत्साहन कार्यक्रम सलेक्टयूएसए के माध्यम से वैश्विक कंपनियाँ बाज़ार संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकती हैं, राज्य और स्थानीय निवेश एजेंसियों से जुड़ सकती हैं, और संघीय, राज्य तथा स्थानीय स्तरों पर अवसरों का पता लगा सकती हैं। अपनी स्थापना के बाद से सिलेक्ट यूएसए ने 400 अरब डॉलर से अधिक के निवेश को सुगम बनाया है और अमेरिका में 2,70,000 से अधिक नौकरियों में मदद की है। अमेरिकी एआई बढ़त यह रूपरेखा अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दो दीर्घकालिक शक्तियों को रेखांकित करती है- बौद्धिक संपदा संरक्षण और कुशल प्रतिभा तक पहुँच। अधिकारी कहते हैं, मज़बूत बौद्धिक संपदा संरक्षण और प्रतिभा आधार अमेरिकी नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की बुनियादी शक्तियाँ बने हुए हैं। ये मिलकर अनुसंधान एवं विकास में निवेश का समर्थन करते हैं, उन्नत प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण को सक्षम बनाते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि कंपनियों को एआई नवाचार का विस्तार करने के लिए आवश्यक अत्यधिक कुशल कार्यबल उपलब्ध हो।

# अधिक मास- आध्यात्म-विज्ञान का समन्वय और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संदेश

**-रमेश शर्मा**

इस वर्ष ज्येष्ठ शुक्लपक्ष एकम, 17 मई से अधिकमास आरंभ हो गया है, जो सोमवती अमावस्या 15 जून तक रहेगा। अधिकमास को पुरुषोत्तम मास माना गया है। पंचांग के अनुसार अधिकमास का यह विधान विज्ञान, आध्यात्म और सामाजिक मनोविज्ञान के निष्कर्षों पर आधारित है।

विज्ञान की दृष्टि से अधिकमास का निर्धारण सूर्य और चंद्रमा की गति के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए किया गया है, तो आध्यात्मिक दृष्टि से यह आत्मशक्ति जागृत करने का समय माना गया है। वहीं इसमें व्रत, पूजा और उपासना के जो विधान हैं, वे समाज में सकारात्मक चिंतन को प्रभावी बनाने के अद्भुत सूत्र भी हैं।

जीवन के लिए विज्ञान और आध्यात्म एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों के संयुक्त निष्कर्ष से जीवन समृद्ध और सकारात्मक बनता है। भारतीय परंपरा के विकासक्रम में धार्मिक उत्सवों का आयोजन हो अथवा तीज-त्योहारों का निर्धारण, यह केवल परंपरा निभाने या उत्सव मनाने के प्रावधान भर नहीं हैं। इनमें विज्ञान और आध्यात्म के समन्वय से जीवन को उन्नत बनाने के सूत्र निहित हैं, ताकि समाज उन्नतिशील बने और परस्पर व्यवहारिक समन्वय भी सशक्त हो। यही सिद्धांत अधिकमास के निर्धारण में भी निहित है।

अधिकमास का निर्धारण केवल धार्मिक या ज्योतिषीय आधार पर नहीं है, बल्कि इसका आधार सूर्य और चंद्रमा की गति में संतुलन स्थापित करना है। चंद्रमा की तुलना में सूर्य की गति तेज मानी जाती है। गति के इस अंतर के कारण वर्ष के अंत में समय का अंतर उत्पन्न हो जाता है। अधिकमास के निर्धारण से इस अंतर को समायोजित किया जाता है। यह आश्चर्यजनक है कि हजारों वर्ष पहले भारतीय मनीषियों को इस अंतर की सटीक जानकारी थी। इसी आधार पर पंचांग का निर्माण हुआ।

भारतीय पंचांग में वर्ष की अवधि का निर्धारण सूर्य की गति से होता है, जबकि प्रतिदिन पड़ने वाली तिथियों का निर्धारण चंद्रमा की गति से किया जाता है। यदि दोनों की गति की गणना की जाए, तो चंद्रमा की गति के अनुसार वर्ष की अवधि 354 दिन, 8 घंटे और 34.28 सेकंड होती है, जबकि सूर्य की गति के अनुसार वर्ष की अवधि 365 दिन, 6 घंटे और 9.54 सेकंड होती है। इस प्रकार दोनों के बीच लगभग 10 दिन, 21 घंटे और 35.16 सेकंड का अंतर हो जाता है। इस अंतर की गणना कर यह सुनिश्चित किया गया कि जब यह अंतर 29 दिन, 12 घंटे, 44 मिनट और 2.865 सेकंड से अधिक हो जाए, तब अधिकमास का प्रावधान कर इस समयावधि का संतुलन स्थापित किया जाए। सामान्यत: 19 वर्षों में सात अतिरिक्त मास जोड़े जाते हैं।

अधिकमास का निर्धारण कब किया जाए, इसका भी विधान सुनिश्चित किया गया है। सूर्य प्रत्येक राशि में लगभग एक माह तक रहते हैं। सूर्य के राशि परिवर्तन के आधार पर अधिकमास का निर्धारण किया जाता है। इस वर्ष 15 मई को सूर्य ने मेष राशि से वृष राशि में प्रवेश किया, लेकिन अमावस्या 16 मई को होने के कारण ज्येष्ठ शुक्लपक्ष एकम, 17 मई से अधिकमास आरंभ हुआ, जो 15 जून की अमावस्या तक रहेगा।

जब पृथ्वी के मौसम परिवर्तन का अध्ययन करते हुए सूर्य और चंद्रमा की गति के अंतर का पता चला, तब वर्ष की अवधि में सामंजस्य स्थापित करने के लिए अधिकमास का निर्धारण किया गया। इसके बाद प्रश्न उठा कि इस मास का नाम क्या हो और इसका स्वामी कौन माना जाए। इसके नामकरण की कथा श्रीमद्भागवत में भी वर्णित है।

चूँकि राशियाँ बारह होती हैं और सूर्य की यात्रा का निर्धारण इन्हीं राशियों के अनुसार होता है, इसलिए इस अतिरिक्त मास के लिए कोई राशि नहीं थी। इसी कारण इसे 卐मलमास卐 कहा जाने लगा। धीरे-धीरे यह धारणा भी बन गई कि यह अवधि अशुभ होती है। इससे दु:खी होकर अधिकमास समुद्र के पास पहुँचा और अपनी वेदना व्यक्त की। तब समुद्र उसे लेकर भगवान विष्णु के पास गए। भगवान विष्णु ने इस मास को अपना नाम देकर 卐पुरुषोत्तम मास卐 घोषित किया और कहा कि इस मास में किए गए सभी आध्यात्मिक कार्यों का फल अधिक प्राप्त होगा। यह प्रसंग श्रीमद्भागवत में वर्णित है।

पुरुषोत्तम मास का उल्लेख श्रीमद्भगवद्गीता में भी मिलता है। तभी से अधिकमास 卐पुरुषोत्तम मास कहलाया और इसके स्वामी श्रीमन्नारायण माने गए, इसीलिए इस मास में किए जाने वाले पूजन, भजन और साधना से भगवान नारायण प्रसन्न होते हैं तथा पुण्य का लाभ अधिक प्राप्त होता है। यदि इसे मनोविज्ञान की दृष्टि से देखें, तो सकारात्मक कार्य करने से मन की अशांति दूर होती है और सकारात्मक कार्यों की गति बढ़ती है। स्वाभाविक रूप से इसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। इसके अतिरिक्त सामूहिक अनुष्ठानों से परिवार और समाज के बीच समन्वय भी सुदृढ़ होता है।

अधिकमास का निर्धारण जहाँ विज्ञान के अनुसार सूर्य और चंद्रमा की गति के अंतर को समायोजित करने के लिए किया गया है, वहीं इसकी पूजा-उपासना पद्धति को आध्यात्मिक जागरण और सामाजिक सहभागिता से भी जोड़ा गया है।

व्यक्ति के अस्तित्व में पाँच आयाम माने गए हैं-

पहला अन्नमय कोष अर्थात शरीर,
दूसरा प्राणमय कोष अर्थात प्राणशक्ति,
तीसरा मनोमय कोष अर्थात मन,
चौथा विज्ञानमय कोष अर्थात बुद्धि,
और पाँचवाँ आनंदमय या आत्ममय कोष अर्थात आत्मा।

आत्मजागरण और आरोग्य के लिए इन पाँचों कोषों में ऊर्जा का संतुलन आवश्यक माना गया है। यदि किसी एक कोष में ऊर्जा अधिक हो जाए, तो दूसरे कोष की ऊर्जा कमजोर हो सकती है। आरोग्य की दृष्टि से यह असंतुलन रोगों का कारण बनता है, जबकि आत्मचेतना शरीर, मन और बुद्धि को सशक्त बनाने के साथ-साथ इन पाँचों कोषों में संतुलन भी स्थापित करती है।

अधिकमास में पूजन-विधि और भोजन के नियमों का निर्धारण इसी उद्देश्य से किया गया है कि इन पाँचों आयामों में ऊर्जा का संतुलन बना रहे और समाज के सभी वर्गों में समन्वय स्थापित हो। इसकी झलक अधिकमास के दौरान निर्धारित भोजन सामग्री और पूजन सामग्री में भी दिखाई देती है।

पुरुषोत्तम मास में गेहूँ, चावल, सफेद धान, मूँग, जौ, तिल, मटर, बथुआ, ककड़ी, केला, घी, कटहल, आम, पीपल, जीरा, सोंठ, इमली, सुपारी, आँवला और सेंधा नमक आदि के सेवन तथा पूरे माह एक समय भोजन करने का विधान बताया गया है। वहीं शहद, चौलाई, उड़द की दाल, राई, प्याज, लहसुन, गोभी, गाजर, मूली और तिल के तेल के सेवन से परहेज करने को कहा गया है।

इन भोजन नियमों तथा पूजन-विधियों को पाप-पुण्य की अवधारणा से जोड़ा गया है। भोजन, पूजन और दिनचर्या का विधान इस प्रकार किया गया है कि मनुष्य में सकारात्मक भाव उत्पन्न हों। आदर्श नागरिक और आदर्श समाज के निर्माण के लिए सकारात्मक चिंतन अत्यंत आवश्यक माना गया है। इस प्रकार अधिकमास का निर्धारण एक त्रिवेणी के समान है- इसमें विज्ञान का अनुसंधान है, आरोग्य एवं आध्यात्मिक जागरण है और सामाजिक सहभागिता का भाव भी समाहित है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

## आईपीएल : धर्मशाला में आरसीबी की धमाकेदार जीत, पंजाब की लगातार छठी हार

**एजेंसी**

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के धर्मशाला स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब को उनके ही घर पर 23 रनों से मात दी है। धर्मशाला में पंजाब किंग्स इलेवन की यह लगातार तीसरी और इस सीजन में लगातार छठी हार है। इस हार के साथ ही पंजाब के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी न के बराबर रह गई हैं। धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की शानदार ऑलराउंड परफॉर्मेंस के चलते आरसीबी ने जीत हासिल कर टेबल पॉइंट में अपनी टॉप पोजिशन बरकरार रखी है। वहीं प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। उधर 223 रनों के लक्ष्य को लेकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट में 199 रन ही बना पाई। इस तरह आरसीबी ने यह मैच 23 रनों से जीतकर अपनी झोली में डाल लिया। 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों ओपनर जल्दी आउट हो गए। ओपनर प्रियांश आर्य शून्य पर जबकि प्रभसिमरन सिंह महज 2 रन बनाकर आउट हो गए। पंजाब की ओर से शशांक सिंह ही एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने अर्धशतक लगाया। शशांक ने 27 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्कों के साथ 56 रन बनाए। इसके अलावा कूपर कनोली ने 22 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्कों के साथ 37 रन बनाए। मारकस स्टाइनिस ने 25 गेंदों में 37 और सूर्यांश शेडगे ने 22 गेंदों पर 35 रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर कुछ खास नही कर पाए और महज एक रन बनाकर आउट हो गए। अजमातुल्लाह ओमारजाई ने 10 गेंदों पर 14 रन बनाए।

## चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब बना चैम्पियन

**प्रयागराज।** चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज को दस विकेट से हराकर कर्नल एमआर शेरवानी ए डिवीजन क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम किया। केपी कॉलेज मैदान पर खेले गए फाइनल मैच में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने 38.2 ओवर में 204 रन (रोहित राजपाल 53, अर्पित सिंह 41, रोशन कुशवाहा 30, सिद्धार्थ मिश्रा 27, राहुल राजपाल 22 आदि ने) बनाए। जवाब में चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने 17.5 ओवर में बिना विकेट को 207 रन (प्रथम मिश्र 161 नाबाद, अनिकेत सिंह 42 नाबाद) बना लिए। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व अरुण कुमार ने अम्पायरिंग एवं अंकित पांडेय ने स्कोरिंग की। मैच से पूर्व उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन एवं इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक ताहिर हसन का इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ जूली ओझा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कराया। इस मौके पर आरपी भटनागर, यासर हसन, अनुराग श्रीवास्तव, एलबी काला, सोमेश्वर पांडेय, मोहम्मद आसिफ, अखिलेश त्रिपाठी, खुर्शीद अहमद, विवेक सिंह एवं प्रीतेश सोनकर आदि मौजूद रहे।

## रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने स्काईलाइन की टीम को 92 रन से हराया

**मुरादाबाद।** उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में रुक्मणी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए ब्रास सिटी यूथ क्रिकेट क्लब चैम्पियनशिप मुकाबले में रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने स्काईलाइन की टीम को 92 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मैच में रुक्मणी के गेंदबाज अम्मार अहमद ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अम्मार अहमद को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बीच में बल्लेबाजों ने टीम को संभाल लिया। निर्धारित 30 ओवर में टीम 147 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अलीम चौधरी ने 30 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि हर्षित कुमार ने 20 व मो. सुबहान ने 16 रन बनाए। टीम को अतिरिक्त के रूप में 32 रन मिले। स्काईलाइन की ओर से शोयब अली, अमरदीप और अंश पंडित ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट हासिल किए। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए स्काईलाइन की टीम शुरुआत से ही दबाव में रही। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम संभल नहीं सकी। पूरी टीम 18.2 ओवर में 55 रन पर सिमट गई। इसमें सैय्यद फाज ने 15 और नाजिम पाशा ने 13 रन बनाए।

## देहरादून में 22 मई से शुरू होगा 42वां उत्तराखंड गोल्ड कप टूर्नामेंट, दस लाख के प्रथम पुरस्कार के लिए भिड़ेंगी 16 टीमें

**देहरादून।** देवभूमि गोल्ड कप क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से 42वां उत्तराखंड गोल्ड कप टूर्नामेंट 22 मई से 7 जून तक खेला जाएगा। रोमांचक टूर्नामेंट में देशभर की टीमों के साथ-साथ नेपाल की टीम भी भाग ले रही है। इसके लिए 16 टीमें चार ग्रुपों में मैच खेलेंगी। देहरादून में एसोसिएशन के सचिव पीसी वर्मा ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि विजेता टीम को 10 लाख रुपये नकद पुरस्कार के साथ गोल्ड कप ट्रॉफी (प्रतिलिपि) दी जाएगी, जबकि उप विजेता टीम को 7 लाख रुपये और ट्रॉफी मिलेगी। इसके अलावा हर मैच का मैन ऑफ द मैच 5,000 रुपये और पूरे टूर्नामेंट का 'मैन ऑफ द सीरीज' एक लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा। खिलाड़ियों को विभिन्न व्यक्तिगत पुरस्कारों से भी नवाजा जाएगा। उन्होंने बताया कि क्वार्टर फाइनल से नॉकआउट फॉर्मेट रहेगा। ज्यादातर मैच डे-नाइट खेले जाएंगे। दो मैच 'अल्फा क्रिकेट स्टेडियम, गणेशपुर' में खेले जाएंगे। शेष मैच 'महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज' और 'राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम' में होंगे।

# करमन कौर थांडी ने फ्रेंच ओपन महिला एकल क्वालीफाइंग ड्रॉ में बनाई जगह

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने फ्रेंच ओपन (रोलां गैरो) महिला एकल क्वालीफाइंग ड्रॉ में जगह बना ली है। वह क्वालीफाइंग के पहले दौर में फ्रांस की हार्मनी टैन का सामना करेंगी। दोनों खिलाड़ी क्वालीफाइंग ड्रॉ में गैर-वरीयता प्राप्त हैं। करमन कौर थांडी को उनकी प्रोटेक्टेड रैंकिंग (पीआर) 238 के आधार पर इस प्रतिष्ठित क्वालिफाइंग ड्रॉ में प्रवेश मिला। इसी रैंकिंग के चलते उन्हें आधिकारिक एंट्री सूची में 119वां स्थान प्राप्त हुआ। प्रोटेक्टेड रैंकिंग प्रणाली लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने वाले खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में वापसी का अवसर प्रदान करती है। चोट से वापसी के बाद ग्रैंड स्लैम मंच पर करमन की वापसी भारतीय

टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। उनके इस टूर्नामेंट में खेलने के साथ ही भारत का ग्रैंड स्लैम एकल स्पर्धाओं में प्रतिनिधित्व का सूखा समाप्त हो गया है। अब वह दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों के बीच मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने की चुनौती पेश करेंगी। चंडीगढ़ स्थित राउंडग्लास टेनिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रहीं करमन ने अपनी फिटनेस और फॉर्म में वापसी के लिए कड़ी मेहनत की है। उनकी संघर्षपूर्ण वापसी अकादमी के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा बन गई है। ड्रॉ घोषित होने के बाद करमन कौर थांडी ने कहा, 'मेरे लिए रोलां गैरो यह याद दिलाता है कि असफलताएं आपकी पहचान नहीं होतीं, बल्कि वापसी का साहस आपको परिभाषित करता है। मुझे गर्व है कि मैं भारत का प्रतिनिधित्व दुनिया के सबसे बड़े मंचों में से एक पर कर रही हूं। हर खिलाड़ी ऐसे पलों का सपना देखता है। मैं रोलां गैरो में उद्देश्य, आभार और आत्मविश्वास के साथ उतर रही हूं। ' उन्होंने आगे कहा, 'चोट से वापसी कर इस स्तर पर दोबारा खेलना इस सफर को और खास बनाता है। यह दिखाता है कि दृढ़ता और विश्वास आपको वहीं वापस ले जा सकते हैं जहां आप वास्तव में बिलॉन्ग करते हैं। ' राउंडग्लास टेनिस अकादमी ने भी करमन की वापसी को भारतीय टेनिस के लिए प्रेरणादायक क्षण बताया और उनके सफल अभियान की कामना की।

## डिस्ट्रिक्ट टेबिल टेनिस प्रतियोगिता में छाए धुरंधर खिलाड़ी

**एजेंसी**

**मुरादाबाद।** डिस्ट्रिक्ट टेबुल टेनिस एसोसिएशन मुरादाबाद के तत्वावधान में डिस्ट्रिक्ट टेबिल टेनिस प्रतियोगिता नेताजी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद सम्पंन हुई। प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक द्वारा किया गया। जिला टेबिल टेनिस एसोसिएशन के सचिव योगेन्द्र गौतम ने मुख्य अतिथि को बुके देकर, शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। आज खेल गये मैचों में बालिका वर्ग-17 वर्ष से कम आयु में अदविता गौतम ने कनिष्का कपूर को 3-2 से हराकर खिताब जीता, बालिका वर्ग-19 वर्ष से कम आयु में कनिष्का कपूर ने काव्या वर्मा को 3-1 से हराकर खिताब जीता, बालक वर्ग-15 वर्ष से कम आयु में विराट गुप्ता ने अक्षत सिंह को 3-2 से हराकर खिताब जीता, बालक वर्ग-17 वर्ष से कम आयु में विख्यात कत्याल ने काविश गोयल को 3-0 से हराकर खिताब जीता, बालक वर्ग-19 वर्ष से कम आयु में पीएमएस पब्लिक स्कूल के मो. नोमान ने शिरडी साँई स्कूल के विख्यात कत्याल को 3-2 से हराकर खिताब जीता, महिला वर्ग-अदविता गौतम ने आरना को 3-2 से हराकर खिताब जीता व पुरूष वर्ग-शिरडी साँई स्कूल के विख्यात कत्याल ने पीएमएस पब्लिकस्कूल के मो0 नोमान को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस अवसर प्रधान सहायक राम कृपाल, कनिष्ठ सहायक प्रदीप कुमार सक्सैना सहित स्टेडियम का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

## पीजीए चैम्पियनशिप 2026: आरोन राय ने जीता पहला मेजर खिताब, 1919 के बाद पीजीए जीतने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने

**एजेंसी**

**न्यूटाउन स्क्वायर।** इंग्लैंड के गोल्फर आरोन राय ने पीजीए चैम्पियनशिप 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। 31 वर्षीय राय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला मेजर खिताब अपने नाम किया और 1919 के बाद पीजीए चैम्पियनशिप जीतने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए। एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में खेले गए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अंतिम दौर में आरोन राय ने 5-अंडर 65 का शानदार कार्ड खेला। उन्होंने कुल 9-अंडर 271 के स्कोर के साथ स्पेन के जॉन रहम और अमेरिका के एलेक्स स्मॉली को तीन शॉट से पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया। राय ने फ्रंट नाइन में कुछ उतार-चढ़ाव के बावजूद शानदार वापसी की। उन्होंने पार-5 नौवें होल पर लगभग 40 फुट लंबा ईगल पुट डाला, जिसने मुकाबले का रुख बदल दिया। इसके बाद बैक नाइन में चार बर्डी लगाकर उन्होंने बढ़त मजबूत की। पार-3 17वें होल पर 68.5 फुट लंबा बर्डी पुट डालकर राय ने जीत लगभग पक्की कर दी। आरोन राय 2022 यूएस ओपन जीतने वाले मैट फिट्जपैट्रिक के बाद किसी मेजर टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी भी बने। इससे

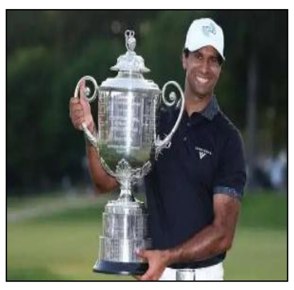

पहले अमेरिका के खिलाड़ियों ने लगातार 10 वर्षों तक पीजीए चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया था। राय ने पहले और 11वें होल पर बेहतरीन एप्रोच शॉट्स के जरिए आसान बर्डी हासिल की। हालांकि तीसरे और छठे होल पर ग्रीन से बाहर शॉट जाने के कारण उन्हें बोगी का सामना करना पड़ा। लेकिन नौवें होल पर शानदार ईगल के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

जर्मनी के मैटी श्मिड और एलेक्स स्मॉली भी खिताब की दौड़ में बने हुए थे, लेकिन दोनों अंतिम दौर में दबाव झेल नहीं सके। स्मॉली ने छठे होल पर डबल बोगी कर अपनी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया, जबकि श्मिड का 10वें होल पर बोगी करना राय के लिए फायदेमंद साबित हुआ। उत्तरी आयरलैंड के स्टार खिलाड़ी रोरी मैक्लरॉय ने अंतिम दौर में 69 का कार्ड खेला और कुल 4-अंडर स्कोर के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया। वहीं मौजूदा चैम्पियन और विश्व नंबर-1 स्कॉटी शेफलर 2-अंडर स्कोर के साथ राय से सात शॉट पीछे रहे। विश्व रैंकिंग में 44वें स्थान पर मौजूद आरोन राय के नाम इससे पहले पीजीए टूर पर एक और डीपी वर्ल्ड टूर पर तीन खिताब थे। किसी मेजर टूर्नामेंट में उनका इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन संयुक्त 19वां स्थान था।

## आईपीएल 2026: पर्पल कैप की रेस में भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बरकरार

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में खेले गए मुकाबलों में कई स्टार बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराया, जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को मात दी। इस दौरान ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस भी और रोमांचक हो गई।

**ऑरेंज कैप की दौड़**

विराट कोहली ने पंजाब के खिलाफ 37 गेंदों में 58 रन की अहम पारी खेली। इस पारी के साथ उनके इस सीजन में 542 रन हो गए हैं और वह ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उनसे आगे केवल साई सुदर्शन (554 रन) और शुभमन गिल (552 रन) हैं। वहीं कूपर कोनोली ने 22 गेंदों में 37 रन बनाकर इस सीजन में अपने कुल रन 473 तक पहुंचा दिए और वह आठवें स्थान पर पहुंच गए।

दिन के दूसरे मुकाबले में केएल राहुल ने 42 गेंदों में 56 रन की शानदार पारी खेली। इसके साथ

उनके 533 रन हो गए और उन्होंने हेनरिक क्लासेन को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों में 46 रन बनाए और अब वह 486 रनों के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

**पर्पल कैप की दौड़**

भुवनेश्वर कुमार इस सीजन में शानदार लय में नजर आ रहे हैं। पंजाब के खिलाफ उन्होंने प्रियंश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के विकेट चटकाए और 2/38 का प्रदर्शन किया। हालांकि इस मैच में उनकी इकॉनमी थोड़ी महंगी रही, लेकिन विकेट लेने का सिलसिला जारी रहा। इन दो विकेटों के साथ भुवनेश्वर के इस सीजन में 24 विकेट हो गए हैं। वह दूसरे स्थान पर मौजूद कगिसो रबाडा से तीन विकेट आगे हैं। वहीं अंशुल कंबोज उनसे पांच विकेट पीछे हैं। शाम के मुकाबले में जोफ्रा आर्चर ने 2/35 का प्रदर्शन किया। पिछले तीन मैचों में संघर्ष के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अब 17 विकेट के साथ पर्पल कैप सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

# बेंगलुरु में 5वीं राष्ट्रीय दिव्यांग एलीट क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

**एजेंसी**

**बेंगलुरु।** कर्नाटक राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ के तत्वावधान में 5वीं राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांग एलीट क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हुआ। देशभर की शीर्ष टीमें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं, जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए राष्ट्रीय मंच मिल रहा है। उद्घाटन समारोह में पीसीसीएआई अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, डीसीसीआई एवं पीसीसीएआई महासचिव रविकांत चौहान, पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण, कर्नाटक दिव्यांग क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हेमचंद्र और सचिव संतोष गौड़ा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डीसीसीआई महासचिव रविकांत चौहान ने कहा कि डीसीसीआई लगातार 24 टीमों के साथ राष्ट्रीय

प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहा है, लेकिन इस वर्ष प्रतियोगिता को अधिक प्रतिस्पर्धी और उच्च गुणवत्ता वाला बनाने के उद्देश्य से शीर्ष 12 टीमों के बीच एलीट टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। शेष 12 टीमों के लिए प्लेट ग्रुप प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना और उन्हें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार करना है। रविकांत चौहान ने बताया कि संगठन खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'मैन ऑफ द सीरीज' पुरस्कार स्वरूप कार और स्कूटर तक दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डीसीसीआई का लक्ष्य दिव्यांग क्रिकेटरों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करना और उनके खेल स्तर को लगातार बेहतर बनाना है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, टूर्नामेंट और अंतरराष्ट्रीय स्तर की हर आवश्यकता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में दिव्यांग क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। साथ ही उन्होंने सभी प्रायोजकों, सहयोगियों और समर्थकों का आभार व्यक्त किया। पीसीसीएआई अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया ने कहा कि उनकी संस्था पिछले 15 वर्षों से दिव्यांग क्रिकेट के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अब तक लगभग 30.36 लाख रुपये की 'मैन ऑफ द मैच' पुरस्कार राशि खिलाड़ियों को दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था देश की पहली ऐसी संस्था है, जो प्रत्येक 'मैन ऑफ द मैच' विजेता को 11 हजार रुपये प्रदान करती है।

उन्होंने बताया कि अब तक खिलाड़ियों को कुल 87 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि वितरित की जा चुकी है और भविष्य में भी खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के प्रयास जारी रहेंगे। पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण ने कहा कि पैरालंपिक समिति, डीसीसीआई के साथ मिलकर मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट को एशियन पैरा गेम्स और पैरालंपिक खेलों में शामिल कराने की दिशा में काम कर रही है।

## दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान को 5 विकेट से हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने 194 रन के लक्ष्य को 19.2 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें बनी हुई हैं, जबकि राजस्थान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 193 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी रही और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने भी तेज गति से रन जुटाए, लेकिन अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम 200 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकी। राजस्थान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने सबसे ज्यादा 53 रन की पारी खेली। कप्तान रियान पराग ने 26 गेंदों पर 51 रन बनाकर तेज अर्धशतक जमाया। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज दिखाते हुए 21 गेंदों में 46 रन जोड़े। एक समय राजस्थान मजबूत स्थिति में नजर आ रही थी, लेकिन अंतिम चरण में बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। दिल्ली की ओर से गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क सबसे सफल रहे। उन्होंने चार विकेट हासिल कर राजस्थान की रनगति पर अंकुश लगाया।

इसके अलावा लुंगी एनगिडी और माधव तिवारी ने दो-दो विकेट लेकर टीम को अहम सफलताएं दिलाईं। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने संतुलित बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और लगातार साझेदारियां बनाते हुए मैच पर पकड़ बनाए रखी। टीम ने दबाव के क्षणों में संयम दिखाया और अंतिम ओवरों में जीत अपने नाम कर ली। राजस्थान की यह लगातार तीसरी हार रही, जिससे टीम की प्लेऑफ राह और कठिन हो गई है।

# मध्य प्रदेश लीग का आगाज 3 जून से, इंदौर के विभिन्न मैदानों पर खेले जाएंगे मुकाबले

**एजेंसी**

**इंदौर।** मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) 2026 का आयोजन 3 जून से इंदौर में शुरू होगा। इस बार टूर्नामेंट का विस्तार किया गया है, जिसमें पुरुष वर्ग की 10 और महिला वर्ग की 5 टीमें हिस्सा लेंगी। मुकाबले इंदौर के विभिन्न मैदानों पर खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला 3 जून को होलकर स्टेडियम में शाम 7:30 बजे ग्वालियर चीता्स और उज्जैन फाल्कन्स के बीच खेला जाएगा। महिला वर्ग की प्रतियोगिता 4 जून से शुरू होगी, जहां पहले मुकाबले में चंबल घड़ियाल्स का सामना ग्वालियर शेरनिस से होगा। यह मैच सुबह 10 बजे डेली कॉलेज, इंदौर में खेला जाएगा। पूर्व एमपीएल चेयरमैन महानार्यमन सिंधिया ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, 'हम मध्य प्रदेश लीग के आगामी सत्र का कार्यक्रम घोषित करते हुए बेहद खुश हैं। इस बार अधिक टीमें, ज्यादा मुकाबले और विस्तारित महिला प्रतियोगिता इसे पहले से कहीं बड़ा और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगी। ' उन्होंने आगे कहा, 'यह लीग लगातार मध्य प्रदेश के उभरते क्रिकेटरों को मजबूत मंच प्रदान कर रही है। हमें उम्मीद है कि इस सीजन में दर्शकों को उच्च स्तरीय क्रिकेट और शानदार प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। 'महिला प्रतियोगिता में अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी। एलिमिनेटर मुकाबला 12 जून को खेला जाएगा, जबकि महिला फाइनल 13 जून को होलकर स्टेडियम में आयोजित होगा। 4 जून से पुरुष वर्ग में डबल हेडर और ट्रिपल हेडर मुकाबलों की शुरुआत होगी। 4 जून को मालवा स्टैलियंस और चंबल घड़ियाल्स के बीच दोपहर 3 बजे मुकाबला होगा। इसके बाद शाम 7:30 बजे भोपाल लेपर्ड्स और इंदौर पिंक पैंथर्स आमने-सामने होंगे। पुरुष वर्ग का लीग चरण 24 जून तक चलेगा, जबकि दोनों सेमीफाइनल 25 जून को होलकर स्टेडियम में खेले जाएंगे। एमपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला 26 जून को शाम 7:30 बजे इंदौर के होलकर स्टेडियम में आयोजित होगा। इस बार पुरुष वर्ग में मालवा स्टैलियंस, उज्जैन फाल्कन्स और रॉयल निमाड़ ईगल्स नई टीमों के रूप में शामिल हुई हैं। इनके अलावा भोपाल लेपर्ड्स, बुंदेलखंड बुल्स, चंबल घड़ियाल्स, ग्वालियर चीता्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, जबलपुर रॉयल लायंस और रीवा जैगुआर्स भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। महिला वर्ग में ग्वालियर शेरनिस और रॉयल निमाड़ ईगल्स नई फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल हुई हैं। ये टीमें भोपाल वुल्व्स, बुंदेलखंड बुल्स और चंबल घड़ियाल्स के साथ प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

## आईपीएल 2026 प्लेऑफ समीकरण: बेंगलुरु पहुंची अंतिम-4 में, बाकी सात टीमों के बीच कड़ी जंग

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु ने अंतिम-4 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि बाकी तीन स्थानों के लिए सात टीमों के बीच जबरदस्त जंग जारी है। वहीं मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

**रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु**

बेंगलुरु की टीम अब शीर्ष-दो में जगह बनाने की मजबूत दावेदार है। अगर चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद को हरा देती है या फिर गुजरात को मात देती है, तो बेंगलुरु का शीर्ष-दो में रहना लगभग तय हो जाएगा।

यदि बेंगलुरु अपने अंतिम लीग मुकाबले में हैदराबाद को हराती है, तो टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर समाप्त करेगी।

**गुजरात टाइटंस**

गुजरात के पास अंतिम-4 में पहुंचने का शानदार मौका है। टीम अपने आखिरी मुकाबले में चेन्नई को हराकर स्थिति मजबूत कर सकती है। यदि हैदराबाद अपने शेष मैचों में से एक हार जाती है, तो गुजरात शीर्ष-दो में भी पहुंच सकती है।

**सनराइजर्स हैदराबाद**

हैदराबाद यदि चेन्नई को हरा देती है तो उसका अंतिम-4 में पहुंचना लगभग तय हो जाएगा। अगर टीम चेन्नई से हारकर बेंगलुरु को हराती है, तब भी उसके पास क्वालिफाई करने का अच्छा मौका रहेगा, लेकिन इसके लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों पर भी नजर रखनी होगी।

**पंजाब किंग्स**

पंजाब के लिए राह अभी खुली हुई है। टीम को अपने आखिरी मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी और साथ ही यह उम्मीद करनी होगी कि हैदराबाद, चेन्नई और राजस्थान में से ज्यादा टीमें आगे न निकलें

कुछ विशेष समीकरण बनने पर पंजाब कम अंकों के साथ भी अंतिम-4 में पहुंच सकती है।

**चेन्नई सुपर किंग्स**

चेन्नई के सामने करो या मरो की स्थिति है। टीम अगर अपने दोनों शेष मुकाबले जीत जाती है तो प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना काफी मजबूत हो जाएगी। हालांकि एक हार भी उसकी राह कठिन बना सकती है और फिर उसे दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

## इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट : नेक्स्ट जनरेशन ब्लू ने नेक्स्ट जनरेशन रेड को 11 रन से हराया

**एजेंसी**

**मुरादाबाद।** इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में नेक्स्ट जनरेशन ब्लू ने नेक्स्ट जनरेशन रेड को 11 रन से हरा दिया। नेक्स्ट जनरेशन ग्राउंड पर नेक्स्ट जनरेशन रेड और ब्लू के बीच भिड़न्त हुई। ब्लू के सानिध्य शर्मा को

बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्टर्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने हुए ब्लू की टीम 33.2 ओवर में 177 रन पर ऑलआउट हो गई। जिसमें अक्षत प्रताप ने 46, अहद 26 व राजा ने 19 रन की पारी खेली, जबकि आर्यन 18 और कुणाल ने 16 रन का योगदान दिया। रेड की ओर से धनंजय ने पांच विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए नेक्स्ट जनरेशन रेड 25.1 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 166 रन ही बना सकी। टीम की ओर से कृष्णा यादव ने 50, आसिम खान 30 व आसिफ ने 21 रन बनाए। ब्लू के सानिध्य शर्मा ने छह विकेट हासिल किए। बेहतरीन प्रदर्शन पर उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

# ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित, युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** हॉकी इंडिया ने 26 से 30 मई तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में होने वाले दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय टीम इस दौरे पर चार मैचों की सीरीज़ खेलेगी, जिसके मुकाबले 26, 27, 29 और 30 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित होंगे।यह दौरा 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच महिला नेशंस कप 2025-26 की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। भारतीय टीम इस दौरे में अर्जेंटीना के खिलाफ हालिया अच्छे प्रदर्शन के बाद उतरेगी, जहां टीम ने चार मैचों की सीरीज़ में दो जीत दर्ज की थीं। इसके बाद से टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में कड़ा अभ्यास कर रही है।

राष्ट्रमंडल खेल-2022 और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता सलीमा टेटे को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के रूप में सविता, सुशीला चानू पुखरामबाम, लालरेमसियामी और नवनीत कौर शामिल हैं, जबकि सोनम, हिना बानो और लालथांतलुआंगी जैसे युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर टीम के आक्रमण की अगुवाई करेंगी। उनके साथ बलजीत कौर, दीपिका, अन्नू, इशिका, हिना बानो और रुतुजा दादासो पिसाल को शामिल किया गया है। हिना बानो को भी पहली बार सीनियर टीम में मौका मिला है।

गोलकीपिंग विभाग में सविता और बिछू देवी खारीबाम टीम की जिम्मेदारी संभालेंगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबाम, लालथांतलुआंगी और ज्योति के साथ

शिल्पी डबास को पहली बार सीनियर टीम में जगह मिली है। लालथांतलुआंगी को भी पहली बार सीनियर टीम में चुना गया है। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के साथ नेहा, लालरेमसियामी, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग और सोनम शामिल हैं। सोनम अभी तक सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं कर पाई हैं। मुख्य कोच सजोर्डन मारिजन ने टीम चयन पर कहा कि हमने ऐसी टीम चुनी है, जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन है। कुछ खिलाड़ियों को पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों के विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का दबाव बेहद जरूरी होता है और यह दौरा उनके लिए खुद को साबित करने का शानदार अवसर होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह दौरा आगामी नेशंस कप की तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मैं चाहता हूं कि टीम अर्जेंटीना दौरे के अंतिम दो मैचों जैसा प्रदर्शन लगातार दोहराए और अपने खेल में निरंतरता लाए। '

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीमः

**गोलकीपरः**

**डिफेंडरः**

निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबाम, लालथांतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास

**मिडफील्डरः**

सलीमा टेटे, लालरेमसियामी, नेहा, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग, सोनम

**फॉरवर्डः**

नवनीत कौर, बलजीत कौर, दीपिका, अन्नू, इशिका, हिना बानो, रुतुजा दादासो पिसाल।

## टॉप 10 में शामिल देश की 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.12 लाख करोड़ की गिरावट, रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल नौ कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि सिर्फ एक कंपनी के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से नौ के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 3.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। सबसे अधिक नुकसान देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रही। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची इकलौती कंपनी भारती एयरटेल के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक का उछाल आ गया। इस सप्ताह के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 3,12,150.19 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल के मार्केट कैप में 42,470.13 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

# अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, जल्द शुरू होगी वंदे भारत स्लीपर सेवा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस रेल सेवा को आभासी माध्यम से हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि इससे कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क को मजबूती मिलेगी। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द शुरू की जाएगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दक्षिण और उत्तर कर्नाटक की लंबे समय से लंबित मांगों को अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में रेलवे के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कर्नाटक में रेल परियोजनाओं के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कर्नाटक के 61 रेलवे स्टेशनों का 2,160 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें से 9 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है। बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्टेशन का 485

करोड़ रुपये तथा यशवंतपुर स्टेशन का 367 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से कर्नाटक में लगभग 1,750 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं। हासन-मंगलुरु खंड में जटिल विद्युतीकरण कार्य भी पूरा कर लिया गया है और परीक्षण जारी है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु उपनगरीय रेल परियोजना के चारों गलियारों पर कार्य चल रहा है। बैयप्पनहल्ली-चिक्कबनावरा और हीलालिगे-राजनुकुंटे गलियारों में भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है तथा स्टेशनों का निर्माण कार्य जारी है। केएसआर बेंगलुरु-देवनहल्ली मार्ग को राज्य सरकार और रेलवे की संयुक्त मंजूरी मिल चुकी है और भू-तकनीकी सर्वेक्षण पूरा हो गया है। केंगेरी-व्हाइटफील्ड मार्ग को भी हाल में स्वीकृति मिली है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कर्नाटक में इस समय 12 जोड़ी वंदे भारत रेलगाड़ियां संचालित हो रही हैं। बेंगलुरु-मंगलुरु मार्ग पर परीक्षण चल रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों तक संपर्क और बेहतर होगा। बेंगलुरु को हैदराबाद और चेन्नई से जोड़ने वाले बुलेट रेल गलियारों को भी मंजूरी मिल चुकी है। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने कहा कि नई बेंगलुरु-मुंबई रेल सेवा देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में से एक पर यात्रियों को बड़ी सुविधा देगी। थानिसंद्रा में 270 करोड़ रुपये की लागत से वंदे भारत स्लीपर अनुरक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा, जबकि एसएमवीटी बेंगलुरु में 52.73 करोड़ रुपये की लागत से चेयर कार अनुरक्षण सुविधा विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैयप्पनहल्ली-होसुर दोहरीकरण, बेट्टहलासुरु-राजनुकुंटे परियोजना तथा बेंगलुरु क्षेत्र में चौगुनीकरण कार्यों के जरिए रेल क्षमता बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा विभिन्न प्रमुख रेल खंडों पर 6,396 करोड़ रुपये की लागत से स्वचालित संकेत प्रणाली विकसित की जा रही है।

## राष्ट्रीय व्यापारिक सम्मेलन भारत मंडपम में सोमवार से, पीएम मोदी के 7 रणनीतिक कदमों पर होगा मंथन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देशभर के प्रमुख व्यापारिक नेता दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारिक सम्मेलन के लिए सोमवार से नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में एकत्रित होंगे। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में घोषित सात रणनीतिक आर्थिक कदमों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि यह सम्मेलन पश्चिम एशिया में जारी संकट तथा बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य के संदर्भ में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 'भारतीय व्यापार महोत्सव' (बीवीएम) की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ होगा। खंडेलवाल ने बताया कि ये भारतीय व्यापार महोत्सव, इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन तथा कैट की संयुक्त पहल है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है, 'वोकल फॉर लोकल - लोकल टू ग्लोबल' अभियान को गति देना तथा भारतीय उत्पादों के निर्यात को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों, व्यापारिक संगठनों एवं विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 150 प्रमुख व्यापारिक नेता भाग लेंगे।

## इस सप्ताह चार कंपनियों के आईपीओ होंगे लॉन्च, दो कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

**नई दिल्ली।** शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह चार कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। ये चारों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इस सप्ताह एसएमई सेगमेंट की दो कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। सप्ताह के पहले दिन 18 मई को एनएफपी संपूर्ण फूड्स का 24.53 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 20 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 52 रुपये से लेकर 55 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 25 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 19 मई को टीमटेक फॉर्मवर्क सॉल्यूशंस का 50.15 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 21 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 61 रुपये से लेकर 63 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 मई को शेयरों का अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 26 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

## मई में भी हुई बिकवाली, विदेशी निवेशकों ने अभी तक 27,048 करोड़ के शेयर बेचे

**नई दिल्ली।** साल 2026 के दूसरे महीने यानी फरवरी के बाद से घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला मई के महीने में भी लगातार बना हुआ है। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक स्टॉक मार्केट में बिकवाली करके 27,048 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। मई के महीने में अभी तक हुए कारोबार में हुई बिकवाली के आंकड़ों को मिला दिया जाए, तो कैलेंडर ईयर 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में की गई शुद्ध बिकवाली का आंकड़ा 2.20 लाख करोड़ के स्तर के करीब पहुंच गया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से लेकर इस महीने 15 मई तक एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में कुल 2,40,857 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। जनवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। फरवरी में एफपीआई ने बिकवाली की जगह लिवाली पर जोर दिया। इस महीने इन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया।

## दुनिया की सबसे बड़ी चिप कंपनी ASML के साथ टाटा का कड़ा समझौता

**धोलेरा।** भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर निर्माण का मुख्य केंद्र बनाने की दिशा में कूटनीतिक रूप से एक बेहद युगांतकारी कदम उठाया गया है। देश के सबसे प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने 'टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स' और दुनिया की अग्रणी चिप निर्माण उपकरण निर्माता डच कंपनी 'एडवांस्ड सेमीकंडक्टर मटेरियल लिथोग्राफी' (ASML) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर आधिकारिक हस्ताक्षर किए गए हैं। डिजिटल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह ऐतिहासिक समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन की कड़ा गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। दोनों वैश्विक नेताओं ने गुजरात के धोलेरा में स्थापित होने वाले भारत के पहले अत्याधुनिक 'फ्रंट-एंड सेमीकंडक्टर फैब' के लिए इस रणनीतिक साझेदारी का दिल से स्वागत किया, जो आने वाले समय में दुनिया की तकनीकी सप्लाई चेन का पूरा समीकरण बदलने का माद्दा रखता है।

## होंडा सिटी का नया अवतार तैयार, 22 मई को होगी भव्य एंट्री; डीलरशिप पर पहुंचीं पहली गाड़ियां

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी Honda अपनी लोकप्रिय सेडान कार होंडा सिटी को नए रूप में बाजार में उतारने की तैयारी कर चुकी है। कंपनी आगामी 22 मई को इस बहुप्रतीक्षित मॉडल को आधिकारिक रूप से पेश करने जा रही है। लॉन्चिंग से पहले ही इस कार की पहली खेप कई डीलरशिप तक पहुंचनी शुरू हो गई है, जिससे वाहन प्रेमियों के बीच उत्साह काफी बढ़ गया है। इंटरनेट पर सामने आए नए वीडियो में यह कार बिना किसी आवरण के दिखाई दी है, जिसके बाद इसके डिजाइन और फीचर्स को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। नई होंडा सिटी फेसलिफ्ट को इस बार पहले के मुकाबले कहीं अधिक आधुनिक और आकर्षक रूप दिया गया है। कार के अगले हिस्से में सबसे बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कंपनी ने इसमें बेहद पतली और तेज डिजाइन वाली प्रकाश उत्सर्जक हेडलाइट्स दी हैं, जो इसे प्रीमियम लुक प्रदान करती हैं। इसके साथ दिन में चमकने वाली नई रोशनी पट्टियां भी जोड़ी गई हैं, जिससे कार का अगला भाग पहले से कहीं अधिक आधुनिक दिखाई देता है।

कार में चमकदार काले रंग की नई ग्रिल लगाई गई है। वहीं, अगला बम्पर भी अधिक चौड़ा और आक्रामक बनाया गया है। कुल मिलाकर, नई सिटी अब केवल पारिवारिक सेडान नहीं बल्कि एक स्पोर्टी और आधुनिक वाहन के रूप में नजर आने वाली है। नई होंडा सिटी के किनारों की डिजाइन में भी कंपनी ने काफी बदलाव किए हैं। इसमें नए डिजाइन के 16 इंच वाले हीरे जैसी कटिंग वाले मिश्रधातु पहिए दिए गए हैं, जो कार की खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। कार का पिछला हिस्सा भी पहले की तुलना में अधिक दमदार और मस्कुलर दिखाई देता है।

पीछे की तरफ आकर्षक प्रकाश इकाइयों को बरकरार रखा गया है, लेकिन इसके साथ नया स्पॉइलर और नया पिछला बम्पर जोड़ा गया है। इससे कार का पिछला हिस्सा अधिक प्रीमियम और स्पोर्टी नजर आता है। जहां पुराना मॉडल सादगी और शालीनता का प्रतीक माना जाता था, वहीं नया मॉडल युवाओं को ध्यान में रखकर अधिक बोल्ड अंदाज में तैयार किया गया है। कार के अंदरूनी हिस्से में भी इस बार कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सामने आए वीडियो में इसके केबिन की झलक से पता चलता है कि कंपनी अब इसे और अधिक तकनीकी सुविधाओं से लैस करने जा रही है। इसमें बड़ी स्पर्श आधारित मनोरंजन स्क्रीन दी जा सकती है। साथ ही डैशबोर्ड पर हल्की सजावटी रोशनी का भी इस्तेमाल किया गया है, जिससे रात के समय केबिन का अनुभव और बेहतर होगा।

## यामाहा एफजेड रेव 150 सीसी की मोटरसाइकिल को खरीदने में होगी समझदारी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** यामाहा मोटरसाइकिल का भारतीय बाजार में अलग ही पहचान है, इसलिए कंपनी समय-समय पर नई बाइकें लान्च करती रहती है। निर्माता की ओर से 150 सीसी सेगमेंट में एफ जेड रेव को भी ऑफर किया जाता है। करीब 500 किलोमीटर तक इस मोटरसाइकिल को चलाने के बाद कैसा अनुभव रहा। हमें इस मोटरसाइकिल में क्या खासियत और क्या कमियां समझ आईं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

**ऐसी है यामाहा एफजेड रेव:**

यामाहा की ओर से भारतीय बाजार में 150 सीसी सेगमेंट में एफजेड रेव को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। इस मोटरसाइकिल को ई20 तक के पेट्रोल के साथ चलाने के लिए ऑफर किया गया है। निर्माता ने इस मोटरसाइकिल को नेकेड सेगमेंट में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया है, जिसे उन लोगों के लिए बनाया गया है जो फीचर्स की जगह मोटरसाइकिल को चलाना पसंद करते हैं। इसमें नए डिजाइन के एलईडी डीआरएल, प्रोजेक्टर हेडलाइट, नया वाइजर, सिंगल चैनल एबीएस और कलर्ड अलॉय व्हील्स को भी दिया गया है।

यामाहा ने इस मोटरसाइकिल में एलईडी हेडलाइट, एलईडी इंडीकेटर, छोटा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को दिया है। लेकिन इसमें स्मार्टफोन कनेक्टिड जैसे फीचर्स को नहीं दिया गया है। इसके साथ ही इसके सिर्फ आगे के पहिए में ही एबीएस को दिया गया है। निर्माता की ओर से इस मोटरसाइकिल में 149 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है। जिससे इस मोटरसाइकिल को 12.4 पीएम की पावर और 13.3 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसमें पांच स्पीड ट्रांसमिशन ही दिया गया है। पढ़ने में भले ही इंजन की पावर कम लगे लेकिन शहर हो या फिर खुली सड़क यह मोटरसाइकिल अपने प्रदर्शन से आपको निराश नहीं करेगी। यह इंजन यामाहा का सबसे भरोसेमंद इंजन है, जिसे इस मोटरसाइकिल में भी ऑफर किया गया है। ऐसे में इंजन को लेकर किसी भी तरह की शिकायत महसूस नहीं होती। यह इंजन इस मोटरसाइकिल को आसानी से 90 से 95 किलोमीटर प्रति घंटे तक की स्पीड पर ले जाता है, लेकिन 100 किलोमीटर से तेज स्पीड पर चलाते हुए इंजन को थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। अगर आपको ऐसी मोटरसाइकिल चाहिए जो न सिर्फ आपको दमदार इंजन के साथ सफर करने का बेहतरीन अनुभव कम बजट में दे। यामाहा के भरोसे के साथ ही रात के समय अच्छी लाइट मिले, बेहतर माइलेज और अच्छी हैंडलिंग के साथ मोटरसाइकिल चलानी हो तो यामाहा की FZ Rave को खरीदा जा सकता है। लेकिन अगर आप अपनी मोटरसाइकिल में ज्यादा फीचर चाहते हैं और आपका बजट भी थोड़ा कम है तो फिर आप किसी अन्य विकल्प पर विचार कर सकते हैं।

## गाजियाबाद में अत्याधुनिक जूता परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित, जूता उद्योग को मिलेगी मजबूती

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय परीक्षण गृह (उत्तरी क्षेत्र), गाजियाबाद ने अत्याधुनिक जूता परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की है। सरकार ने कहा कि यह सुविधा देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, निर्यातकों और निर्माताओं को विश्वसनीय, किफायती और उच्च-परिशुद्धता परीक्षण सेवाएं उपलब्ध कराएगी। मंत्रालय के अनुसार यह प्रयोगशाला तेजी से बढ़ रहे भारतीय जूता उद्योग के लिए गुणवत्ता आश्वासन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धा और निर्यात क्षमता को भी बल मिलेगा।

सरकार ने कहा कि उपभोक्ता अब ऐसे जूतों की अपेक्षा करते हैं जो टिकाऊ, सुरक्षित, आरामदायक और विभिन्न परिस्थितियों में लंबे समय तक उपयोग योग्य हों। ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए फिसलन प्रतिरोध, टिकाऊपन, सामग्री की मजबूती और हानिकारक रसायनों

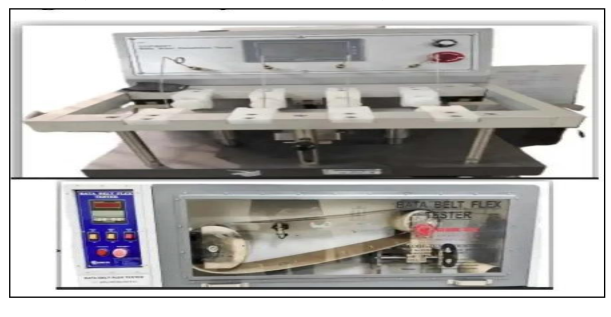


की अनुपस्थिति जैसे मानकों की कठोर जांच आवश्यक होती है।राष्ट्रीय परीक्षण गृह, गाजियाबाद की इस उन्नत प्रयोगशाला में आधुनिक परीक्षण उपकरण और उन्नत अवसंरचना स्थापित की गई है। यहां भारतीय मानकों के अनुरूप विभिन्न प्रकार के जूतों की गुणवत्ता जांच की जा सकेगी। इनमें सुरक्षा और औद्योगिक जूते, विद्यालयी और चमड़े के जूते, पीवीसी जूते, सैंडल-चप्पल, बच्चों के जूते, खेल जूते तथा औद्योगिक और जोखिम वाले वातावरण में उपयोग होने वाले विशेष सुरक्षा जूते शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि प्रयोगशाला में सुरक्षा, टिकाऊपन, आराम और प्रदर्शन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण परीक्षण किए जाएंगे। यह सुविधा अपेक्षाकृत कम शुल्क पर सटीक और समयबद्ध परीक्षण सेवाएं प्रदान करेगी, जिससे विशेष रूप से सूक्ष्म और लघु उद्योगों को लाभ मिलेगा। गाजियाबाद में स्थापित यह प्रयोगशाला दिल्ली-एनसीआर, कानपुर और आगरा जैसे प्रमुख जूता विनिर्माण केंद्रों के निकट स्थित है। इससे नमूनों की जांच में समय कम लगेगा, परिवहन लागत घटेगी और उद्योगों को आसान पहुंच मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रयोगशाला भारतीय जूता उद्योग को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में सहायता करेगी। इससे उत्पादों की विश्वसनीयता, उपभोक्ता सुरक्षा, निर्यात प्रतिस्पर्धा और वैश्विक बाजार में स्वीकार्यता बढ़ेगी।

सरकार के अनुसार यह पहल 'विकसित भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप है। इससे देश में गुणवत्ता आश्वासन व्यवस्था मजबूत होगी और भारत को गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

## सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी आज लगातार चौथे दिन कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# हाइब्रिड कारों की बादशाह बनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस, बिक्री में सबको छोड़ा पीछे

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश में ईंधन की बढ़ती कीमतों और बेहतर औसत देने वाली गाड़ियों की मांग के बीच मिश्रित तकनीक वाली गाड़ियों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इसी कड़ी में जापान की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा की लोकप्रिय पारिवारिक गाड़ी इनोवा हाईक्रॉस ने एक बार फिर भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ साबित कर दी है। अप्रैल 2026 में यह देश की सबसे अधिक बिकने वाली मिश्रित तकनीक वाली गाड़ी बनकर सामने आई है। बिक्री के आंकड़ों ने साफ कर दिया है कि बड़े परिवारों और लंबी दूरी की यात्रा पसंद करने वाले लोगों के बीच इस गाड़ी का भरोसा लगातार मजबूत बना हुआ है। हालांकि मार्च महीने की तुलना में इसकी बिक्री में गिरावट जरूर दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद यह अपने प्रतिद्वंद्वियों से

काफी आगे रही। अप्रैल 2026 में इनोवा हाईक्रॉस की कुल 4,100 इकाइयों की बिक्री हुई, जबकि मार्च 2026 में यह आंकड़ा 6,357 इकाइयों तक पहुंचा था। इस तरह महीने दर महीने बिक्री में लगभग 35 प्रतिशत की कमी देखने को मिली। इसके बावजूद यह मिश्रित तकनीक वाले वाहन वर्ग में सबसे अधिक बिकने वाली गाड़ी बनी रही। मिश्रित तकनीक वाली गाड़ियों की बिक्री सूची में दूसरा स्थान भी टोयोटा के खाते में ही गया। कंपनी की मध्यम आकार की लोकप्रिय ऊंची गाड़ी अर्बन क्रूजर हाइराइडर ने अप्रैल महीने में 2,657 इकाइयों की बिक्री दर्ज की। मार्च में इसकी 3,191 इकाइयां बिकी थीं। यानी इसकी मासिक बिक्री में भी लगभग 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद बाजार में मिश्रित तकनीक को लेकर ग्राहकों का भरोसा टोयोटा की गाड़ियों पर सबसे अधिक दिखाई दे रहा है। कम ईंधन खर्च, शांत इंजन और बेहतर प्रदर्शन जैसी खूबियों ने इन गाड़ियों को परिवारों की पहली पसंद बना दिया है। इस सूची में तीसरे स्थान पर मारुति सुजुकी की विक्टोरिस रही, जिसने बिक्री के मामले में शानदार उछाल दर्ज किया। अप्रैल 2026 में इसकी 793 इकाइयों की बिक्री हुई, जबकि मार्च में यह आंकड़ा केवल 367 इकाइयों का था। इस तरह इसमें 116 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। वाहन बाजार के जानकार मानते हैं कि बेहतर सुविधाओं और कम परिचालन खर्च के कारण ग्राहकों का ध्यान अब धीरे-धीरे इस मॉडल की ओर भी बढ़ने लगा है।

## DPCC में तकनीकी और वैज्ञानिक प्रशिक्षु के 150 पदों पर भर्ती, 28 हजार तक मिलेगा स्टाइपेंड

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार ने संविदा आधार पर 150 तकनीकी (क्नश्च./क्नज्ञद्गष्द्ध) और वैज्ञानिक (रूस्) प्रशिक्षु पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट dpcc.delhi.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। इनमें अनुसूचित जाति के लिए 22 पद, अनुसूचित जनजाति के लिए 11 पद, ओबीसी के लिए 40 पद, ईडब्ल्यूएस के लिए 15 पद, अनारक्षित के लिए 62 पद निर्धारित किए गए हैं। डीपीसीसी भर्ती 2026 में दो प्रकार के प्रशिक्षु पद शामिल हैं-तकनीकी प्रशिक्षु और वैज्ञानिक प्रशिक्षु। इन पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं, जो उम्मीदवारों के संबंधित क्षेत्र पर आधारित हैं। तकनीकी प्रशिक्षु पद के लिए उम्मीदवार के पास इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री (बीई/बी.टेक) होना अनिवार्य है। वहीं वैज्ञानिक प्रशिक्षु पद के लिए विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री (एम.एससी.) रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। डीपीसीसी भर्ती 2026 के लिए उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से पूर्णकालिक नियमित कोर्स में प्रथम श्रेणी (First Class) से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके अलावा केवल वे ही अभ्यर्थी पात्र होंगे जिन्होंने वर्ष 2023 या उसके बाद अपनी योग्यता परीक्षा पास की हो। इस भर्ती में गेट/नेट (2023, 2024, 2025 या 2026) उत्तीर्ण उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।

डीपीसीसी भर्ती 2026 में चुने गए प्रशिक्षुओं को शुरुआत में 6 महीने के लिए रखा जाएगा। अगर उनका काम अच्छा रहता है और आवश्यकता होती है, तो उनकी अवधि बढ़ाकर अधिकतम 3 साल तक की जा सकती है। यह अवधि 6-6 महीने के चरणों में बढ़ाई जाएगी। सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट dpcc.delhi.gov.in पर जाएं। होमपेज पर 'Recruitment/Vacancy' सेक्शन पर क्लिक करें। अब DPCC Trainee Recruitment 2026 के आवेदन लिंक को खोलें।

## अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी उथल-पुथल से इतिहास के सबसे निचले स्तर पर फिसला भारतीय रुपया

**मुंबई।** वैश्विक बाजारों में मची भारी उथल-पुथल और घरेलू मोर्चे पर बढ़ते आर्थिक दबाव के बीच भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 44 पैसे टूटकर 96.25 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। ईरान में जारी गंभीर भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों और मजबूत होते अमेरिकी डॉलर ने उभरते बाजारों की मुद्राओं को गहरे संकट में डाल दिया है, जिसका सीधा और नकारात्मक असर भारतीय मुद्रा पर देखा जा रहा है। फॉरेक्स ट्रेडर्स के मुताबिक, अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया आज 96.19 पर खुला था और देखते ही देखते यह लुढ़ककर रिकॉर्ड गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार विश्लेषकों का कूटनीतिक अनुमान है कि जब तक पश्चिम एशिया में तनाव कम नहीं होता और हॉरमुज जलडमरूमध्य का व्यापारिक मार्ग दोबारा सुचारू नहीं होता, तब तक डॉलर के मुकाबले रुपया 100 के मनोवैज्ञानिक स्तर को भी छू सकता है। ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा बाजार में 1.83 फीसदी की भारी तेजी के साथ 111.26 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिससे भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश से डॉलर की निकासी तेजी से बढ़ रही है। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स भी बढ़त के साथ 99.32 पर पहुंच गया है, जिसने रुपये पर दबाव को दोगुना कर दिया है।

# गौतम अडाणी ने सारण में 150 करोड़ रुपये की नेत्र स्वास्थ्य परियोजना की रखी आधारशिला, कहा-सेवा ही साधना है

एजेंसी

**पटना।** अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बिहार में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 150 करोड़ रुपये की बड़ी नेत्र स्वास्थ्य सेवा परियोजना की नींव रखी। 'सेवा ही साधना है' के मूलमंत्र से प्रेरित इस पहल का उद्देश्य गांवों और दूरदराज इलाकों में सस्ती एवं बेहतर आंखों की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। बिहार के सारण जिले के मस्तीचक में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान गौतम अडाणी ने देशभर में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से जुड़े एक बड़े मिशन की भी घोषणा की। इस परियोजना के तहत हर वर्ष लगभग 3.3 लाख आंखों की सर्जरी की जा सकेगी, जबकि करीब 1,000 स्वास्थ्य पेशेवर को नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल दुनिया के सबसे बड़े ग्रामीण नेत्र चिकित्सा नेटवर्कों में शामिल हो सकती है। इस अवसर पर गौतम अडाणी ने कहा कि बिहार की पवित्र धरती मस्तीचक आकर उन्हें गर्व, आत्मीयता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने गायत्री परिवार, अखंड ज्योति परिवार और मृत्युंजय तिवारी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की आंखों की रोशनी लौटाना केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि उसके जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान वापस लौटाने जैसा पुण्य कार्य है। गौतम अडाणी ने कहा कि 'सेवा ही साधना है' उनके लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि करुणा को कर्म में बदलने की प्रेरणा है। बिहार सदैव देश को नई चेतना देने वाली भूमि रही है और यह पहल उसी सेवा भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि अडाणी फाउंडेशन द्वारा अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल को 150 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। इस राशि से मस्तीचक में 'अडाणी सेंटर फॉर आई' और 'अडाणी ट्रेनिंग इन ऑप्थैल्मिक मेडिसिन' की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान 10 एंबुलेंस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, ताकि बिहार और आसपास के दूरदराज गांवों तक नेत्र चिकित्सा सेवाएं पहुंचाई जा सकें। गौतम अडाणी ने इस परियोजना के दीर्घकालिक संचालन के लिए अतिरिक्त सहयोग देने की भी घोषणा की। मस्तीचक में हुए भूमि पूजन कार्यक्रम में गौतम अडाणी के साथ अडाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. प्रीति अडाणी और अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृत्युंजय तिवारी उपस्थित रहे। मृत्युंजय तिवारी ने कहा, मैं गौतम अदाणी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल पर विश्वास जताते हुए इस परिवर्तनकारी यात्रा में हमें सहभागी बनाया। यह साझेदारी केवल भवनों और संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के अंतिम पंक्ति में खड़े वंचित एवं उपेक्षित लोगों के जीवन में दृष्टि, सम्मान, अवसर और आशा का संचार करने का एक साझा संकल्प है। हमें विश्वास है कि यह सहयोग आने वाले वर्षों में करोड़ों जीवनों पर दूरगामी प्रभाव उत्पन्न करेगा। इसके साथ ही अडाणी फाउंडेशन और अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल ने पीरपैंती में 200 बिस्तरों वाले अस्पताल की स्थापना की घोषणा भी की। यह अस्पताल बिहार के बड़े हिस्से तक सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि पीरपैंती में अडाणी समूह 2400 मेगावॉट का अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट भी स्थापित कर रहा है।

गौतम अडाणी ने देशभर के वंचित समुदायों तक सस्ती नेत्र चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के लिए 500 करोड़ रुपये की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता भी जताई। 'अडाणी अखंड ज्योति फाउंडेशन' बिहार के बाहर भी दूरदराज क्षेत्रों में आंखों के इलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

इन सभी परियोजनाओं के लिए कुल निवेश 700 करोड़ रुपये से अधिक होगा। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2022 में अपने 60वें जन्मदिन पर उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के लिए 60,000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। इसके अलावा पिछले वर्ष अपने पुत्र जीत अडाणी के विवाह अवसर पर 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सामाजिक प्रतिबद्धता की घोषणा भी की गई थी।

## नेपाल में सरकार के खिलाफ भूमिहीनों का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल सरकार द्वारा भूमिहीन लोगो की अव्यवस्थित बस्तियां हटाने की प्रक्रिया तथा बस्ती खाली करने की सूचनाओं के खिलाफ देशभर के भूमिहीन समुदाय ने आज भी कड़ा विरोध जताया है।रूपनदेही जिले के बुटवल में सोमवार की दोपहर 41 डिग्री तापमान के बीच प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी की। देश के विभिन्न हिस्सों से जुटे हजारों भूमिहीन लोगों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं, जबकि कुछ पुरुष प्रतिनिधिमूलक रूप से शामिल हुए। आरोप है कि सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना सार्वजनिक जमीन संरक्षण के नाम पर 'डोजर आतंक' मचाया है। इसी के विरोध में हजारों लोग सड़क पर उतरे। उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह सरकार से इस्तीफे की मांग करते हुए 'वोट वापस करो' के नारे भी लगाए। तेज गर्मी के बीच प्रदर्शनकारियों ने बालेन सरकार मुर्दाबाद, हमारा वोट वापस करो, डोजर आतंक बंद करो, अव्यवस्थित बसोबासी को व्यवस्थित करो, रोटी और आवास की गारंटी दो, डोजर नहीं समाधान दो तथा सुकुम्बासी होना शौक नहीं, मजबूरी है.. जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार ने सार्वजनिक जमीन संरक्षण के नाम पर बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए वर्षों से बसे लोगों की बस्तियों पर डोजर चलाया है, जिससे देशभर के भूमिहीन और अव्यवस्थित बसोबासी आंदोलन के लिए मजबूर हुए हैं।

## नेपाल में संविधान संशोधन के पांच मुख्य विषयों पर विभिन्न क्षेत्र से संवाद

**काठमांडू।** बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संविधान संशोधन पर बहस-पत्र तैयार करने के लिए गठित कार्यदल विभिन्न सरोकार वाले पक्षों के साथ संवाद कर 5 विषयों को प्राथमिकता में रख कर विचार विमर्श रहा है। प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार असीम शाह के नेतृत्व में गठित यह कार्यदल कार्यदल विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, संवैधानिक विशेषज्ञों तथा अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार चर्चा कर रहा है। इस कार्यदल के संयोजक शाह ने बताया कि कार्यदल ने मुख्य रूप से पांच विषयों–शासन प्रणाली, निर्वाचन प्रणाली, संघीयता, न्यायपालिका और संवैधानिक निकाय–को प्राथमिकता में रखा है। इसके अलावा अन्य विविध विषय भी शामिल किए गए हैं। इन सभी शीर्षकों के अंतर्गत कुल 46 बिंदुओं को समेटा गया है। सरकार ने शासन प्रणाली में बदलाव के मुद्दे को विशेष प्राथमिकता दी है। वर्तमान व्यवस्था को यथावत रखने, पूर्ण संसदीय व्यवस्था अपनाने या संशोधित संसदीय प्रणाली लागू करने जैसे विकल्पों पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री की व्यवस्था होनी चाहिए या नहीं, इस विषय पर भी राय मांगी गई है। शाह के मुताबिक इसी तरह विशेषज्ञ मंत्रियों की व्यवस्था तथा सांसदों को मंत्री न बनाए जाने की प्रणाली उपयुक्त होगी या नहीं, इस पर भी सरकार ने रुचि दिखाई है। मंत्रिपरिषद गठन और मंत्रियों की जवाबदेही जैसे विषयों पर भी चर्चा जारी है।

## ताइवान को हथियार आपूर्ति पर बढ़ी चिंता, अमेरिकी नीति को लेकर उठे सवाल

**वॉशिंगटन।** ताइवान को भविष्य में अमेरिकी हथियार आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं सामने आई हैं। हालिया अमेरिका-चीन वार्ता के बाद यह आशंका जताई जा रही है कि ताइवान से जुड़े रक्षा मुद्दे व्यापक कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा बन सकते हैं। अमेरिका में ताइवान के प्रतिनिधि अलेक्जेंडर युई ने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और संभावित तनाव को रोकने के लिए ताइवान को निरंतर रक्षा समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी संघर्ष को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका यह है कि ताइवान अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम बना रहे। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के बाद ताइवान से जुड़े रक्षा सहयोग पर चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्टों के अनुसार, ताइवान के लिए हथियार आपूर्ति को भविष्य की व्यापक वार्ताओं में एक संभावित मुद्दे के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि अमेरिकी प्रशासन की ओर से ताइवान नीति में किसी औपचारिक बदलाव की घोषणा नहीं की गई है। युई ने कहा कि अमेरिका और ताइवान के बीच लंबे समय से चली आ रही स्थिरता की नीति अब भी बरकरार है, लेकिन ताइवान चाहता है कि उसकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को भी पर्याप्त महत्व दिया जाए।

## नॉर्वे में जासूसी के आरोप में चीनी नागरिक गिरफ्तार, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

**ओस्लो।** नॉर्वे की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी नॉर्वे पुलिस सेक्योरिटी सर्विसेज (पीएसटी) ने जासूसी के संदेह में एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किए जाने की पुष्टि की है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब कुछ सप्ताह पहले भी एक चीनी महिला को उपग्रह संबंधी डेटा मामले में हिरासत में लिया गया था सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति को 15 मई को नॉर्वे के उत्तरी क्षेत्र में पुलिस ने हिरासत में लिया था। अधिकारियों का कहना है कि उस पर नॉर्वे के नॉर्डलैंड क्षेत्र में कथित रूप से अवैध खुफिया गतिविधियों की कोशिश करने का संदेह है। हालांकि जांच को देखते हुए एजेंसी ने मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। रिपोर्टों के मुताबिक, नॉर्वे की एक अदालत ने आरोपित को चार सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। वहीं आरोपित के वकील ने कहा है कि उनका मुवक्किल लगाए गए आरोपों से इनकार कर रहा है।

# स्वीडन ने पीएम मोदी को रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार सम्मान से किया सम्मानित

**एजेंसी**

**स्टॉकहोम।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीडन की प्रतिष्ठित 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' कमांडर ग्रैंड क्रॉस सम्मान से सम्मानित किया गया। स्वीडन यात्रा के दौरान उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' स्वीडन के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है, जो विदेशी नागरिकों और वैश्विक स्तर पर विशिष्ट योगदान देने वाले नेताओं को दिया जाता है। 'कमांडर ग्रैंड क्रॉस' इस सम्मान की सर्वोच्च श्रेणी मानी जाती है और इसे सरकार प्रमुखों तथा वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। इस सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी को अब तक विभिन्न देशों की सरकारों और संस्थानों की ओर से कुल 31 अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। इसे भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और प्रधानमंत्री मोदी की विस्तारित

कूटनीतिक पहुंच का प्रतीक माना जा रहा है। स्वीडन यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ़ क्रिस्टर्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, हरित परिवर्तन, नवाचार और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सम्मान भारत और स्वीडन के बीच गहराते संबंधों का प्रतीक है और दोनों देशों के बीच आर्थिक, तकनीकी तथा कूटनीतिक क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग को दर्शाता है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वीडन पहुंचे हैं। उनके पहुंचते ही गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर वहां के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन ने उनका स्?वागत कि?या। यहां पीएम मोदी ने व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत-स्वीडन संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की।

पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'स्वीडन के गुटेनबर्ग पहुंच गया हूं। मैं प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन से मिलूंगा, जिसका उद्देश्य व्यापार, निवेश, नवाचार, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में भारत-स्वीडन की दोस्ती को आगे बढ़ाना है। प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ, मैं 'यूरोपीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन' में यूरोपीय व्यापार जगत के नेताओं से मिलूंगा। इससे भारत और यूरोप के बीच निवेश के संबंध भी मजबूत होंगे।''

## नेपाल सुप्रीम कोर्ट ने प्रस्तावित प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ याचिका दायर करने का दिया आदेश

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल ने सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश पद पर मनोज शर्मा की सिफारिश के खिलाफ याचिका दायर करने का आदेश दिया है। कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश मल्ल ने निर्देश दिया कि संबंधित सभी याचिकाओं को दोपहर 1 बजे तक पंजीकृत किया जाए और मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। इन याचिकाओं में संवैधानिक परिषद की ओर से जस्टिस मनोज शर्मा को प्रधान न्यायाधीश पद के लिए सिफारिश किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई हैं। पिछले हफ्ते ही नेपाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश के पद पर तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों को छोड़ कर चौथे वरिष्ठ न्यायाधीश के नाम की सिफारिश की थी, जिसके बाद न्यायपालिका और सरकार आमने-सामने हैं। इससे पहले सर्वोच्च अदालत प्रशासन ने प्रक्रिया संबंधी आधार पर इन रिट याचिकाओं को पंजीकृत करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने उस निर्णय को चुनौती देते हुए याचिकाओं के पंजीकरण की मांग की। कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश के सचिवालय से निर्देश मिलने के बाद सोमवार को दोपहर 1 बजे के बाद याचिकाएं पंजीकृत कर ली गईं। अब इस मामले में सुनवाई होगी, जिसमें यह तय किया जाएगा कि प्रशासनिक अस्वीकृति को बरकरार रखा जाए या याचिकाओं को स्वीकार कर आगे की न्यायिक प्रक्रिया चलाई जाए। संवैधानिक परिषद ने 8 मई को प्रधान न्यायाधीश के लिए जस्टिस मनोज शर्मा के नाम की सिफारिश की थी।

# इडाहो एयर शो में अमेरिका के दो लड़ाकू विमान हवा में टकराए

**एजेंसी**

**इडाहो (संयुक्त राज्य अमेरिका)** । अमेरिका के इडाहो स्थित माउंटेन होम एयरफोर्स बेस में एयर शो के दौरान दो अमेरिकी लड़ाकू विमान हवा में टकरा गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना के बाद अधिकारियों ने एयर बेस को लॉकडाउन में डाल दिया और सभी शेष निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए। यह घटना एयर शो के दौरान हुई, जब दो ईए-18जी ग्रोवलर विमान हवा में टकराने के बाद लगभग दो मील दूर क्रैश हो गए। टक्कर के तुरंत बाद आपातकालीन टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया और दुर्घटनास्थल के पास घना काला धुआं उठता देखा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दोनों सैन्य विमान हवा में टकराकर अलग होते दिखाई दिए। इसके कुछ ही क्षण बाद चार पैराशूट दिखे, जिससे संकेत मिला कि चालक दल के सदस्य समय रहते विमान से बाहर निकल गए थे। यूएस नेवी ने बाद में पुष्टि की कि

दोनों विमानों में सवार चारों क्रू मेंबर सुरक्षित रूप से इजेक्ट करने में सफल रहे। स्थानीय अखबार इडाहो स्टेट्समैन के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान मौजूद एक उद्घोषक ने दर्शकों को बताया कि दुर्घटना से पहले ही सभी चारों चालक दल के सदस्य सुरक्षित बाहर निकल चुके थे।

घटना के बाद सभी शेष गतिविधियां एहतियातन रद्द कर दी गईं और माउंटेन होम पुलिस ने भी पुष्टि की कि बेस को लॉकडाउन में रखा गया है जबकि सुरक्षा और आपातकालीन टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। गनफाइटर स्काइज एयर शो आठ साल के अंतराल के बाद इस सप्ताहांत वापस आयोजित किया गया था और इसमें हजारों दर्शक सैन्य विमानों के प्रदर्शन और एरोबेटिक शो देखने पहुंचे थे। फिलहाल अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी रहने की उम्मीद है।

# कतर और कुवैत ने सऊदी अरब पर ड्रोन हमले की निंदा की

**एजेंसी**

**दोहा/ कुवैत ।** कतर और कुवैत ने सऊदी अरब पर किए गए ड्रोन हमलों की निंदा की है। दोनों देशों ने अलग-अलग बयान जारी कर इसे क्षेत्रीय अखंडता को खतरे में डालने वाला बताया है। कुवैत ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का हवाला देते हुए कहा, 'यह घुसपैठ मार्च में खाड़ी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए पारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का उल्लंघन है।' साथ ही, उसने सऊदी अरब की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों के प्रति अपना समर्थन जताया। कतर ने इस घटना को 'अस्वीकार्य आक्रमण' बताया और इसे सऊदी अरब की संप्रभुता का सीधा उल्लंघन कहा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कतर सऊदी अरब के साथ पूरी तरह खड़ा है और उसकी सुरक्षा, संप्रभुता तथा अपने नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करता है। दोनों देशों ने रियाद के साथ अपनी पूर्ण एकजुटता जताते हुए कहा कि वे सऊदी क्षेत्र और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए किए जाने वाले सभी उपायों का समर्थन करते हैं।

यह बयान सऊदी अरब के तीन संदिग्ध ड्रोन को अपने एयर डिफेंस सिस्टम से मार गिराने के दावे के बाद सामने आया है। सऊदी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि देश अपनी संप्रभुता और सुरक्षा का उल्लंघन करने की किसी भी कोशिश के जवाब में आवश्यक सैन्य और परिचालन कदम उठाएगा। अल-मालिकी ने यह भी कहा कि सऊदी क्षेत्र में नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि अप्रैल में लागू हुए संघर्ष विराम के बाद ईरान संघर्ष से जुड़ी शत्रुताएं काफी हद तक कम हो गई हैं, लेकिन इसके बावजूद इराक से खाड़ी देशों की ओर ड्रोन भेजे जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ही यूएई के बरकाह परमाणु संयंत्र के बाहर ड्रोन अटैक हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि हमले में संयंत्र के बाहर स्थित एक बिजली जनरेटर को निशाना बनाया गया, जिसमें कोई घायल नहीं हुआ और न ही कोई रेडियोधर्मी रिसाव हुआ। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी इस पर चिंता जताई थी।

# अमेरिका के शिकागो में सड़क हादसे में एक भारतीय छात्रा की मौत

**एजेंसी**

**शिकागो ।** अमेरिका में शिकागो के पास एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय भारतीय छात्रा की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। इसकी पुष्टि सोमवार को अधिकारियों ने की। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना शनिवार देर रात (अमेरिकी समयानुसार) इंडियाना के लेक काउंटी में क्राउन पॉइंट के पास इंटरस्टेट 65 राजमार्ग पर हुई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मृत छात्रा की पहचान नव्या गडुसु के रूप में हुई है। लेक काउंटी कोरोनर कार्यालय ने पुष्टि की है कि रात 12:16 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में गंभीर चोट लगने की वजह से गडुसु की मौत हो गई।

शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस हादसे में जान गंवाने वाले छात्रा की मृत्यु पर दुख जताया और कहा कि वह पीड़ित परिवार के साथ लगातार संपर्क में है। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, ''शिकागो के पास

एक सड़क दुर्घटना में भारतीय छात्रा नव्या गडुसु के निधन से हम बेहद दुखी हैं। इस कठिन समय में हम उनके परिवार और मित्रों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास मृतक के परिवार के संपर्क में है। हम उन मित्रों और समुदाय के सदस्यों के भी संपर्क में हैं जो दुर्घटना में घायल हुए लोगों की सहायता कर रहे हैं। '

इंडियाना स्टेट पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना शनिवार रात लगभग 11:15 बजे हुई। जांचकर्ताओं ने बताया कि सात वयस्कों को ले जा रही एक लाल मिनीवैन लगभग 10 से 15 मील प्रति घंटे की बहुत धीमी गति से एक अन्य वाहन के पीछे चल रही थी, जिसमें कथित तौर पर कुछ तकनीकी खराबी थी। पुलिस ने बताया कि पीछे से आ रही एक अन्य कार का चालक मिनीवैन की धीमी गति को समझ नहीं पाया और टक्कर से बचने के प्रयास में उसने बाईं ओर मुड़ने की कोशिश की। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि वाहन ने मिनी वैन के बाएं हिस्से में जोरदार टक्कर मारी, जिससे वैन सड़क से उतरकर खाई में जा गिरी।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि तकनीकी खराबी से ग्रस्त वह वाहन, जिसका मिनीवैन पीछा कर रही थी, टक्कर में शामिल नहीं था।

जांच के दौरान जारी की गई अतिरिक्त जानकारी से पता चला कि मिनीवैन में केवल दो आगे की सीटें लगी हुई थीं। दुर्घटना से संबंधित परिस्थितियों की जांच इंडियाना स्टेट पुलिस कर रही है।

## नेपाल की संसद में प्ले कार्ड और पर्ची के साथ विरोध प्रदर्शन करने पर रोक लगाई गई

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल के संसद में सांसदों को प्ले कार्ड और पर्चों के साथ सदन के भीतर विरोध प्रदर्शन नहीं करने पर रोक लगा दी गई है।सोमवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक के दौरान विपक्षी दल के सांसदों ने प्ले कार्ड के साथ विरोध प्रदर्शन किया। शुरुआत में उन्होंने स्पीकर डीपी अर्याल के सामने जाकर प्ले कार्ड दिखाए और बाद में छाती पर पर्चे चिपकाकर सदन की कार्यवाही में शामिल हुए।इसी दौरान स्पीकर अर्याल ने संसद में प्ले कार्ड और पर्चों के जरिए विरोध प्रदर्शन न करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विरोध करने के कई तरीके होते हैं, लेकिन विरोध मर्यादा के भीतर रहकर किया जाना चाहिए। भविष्य में भी मर्यादित तरीके से विरोध करने को मैं आदेश के रूप में लेने का आग्रह करता हूं। स्पीकर ने इस तरह के प्रदर्शन को असंसदीय भी बताया। उन्होंने कहा कि पर्चा दिखाकर विरोध करने की परंपरा न तो हमारे कानूनों में है, न नियमावली में और न ही संसदीय अभ्यास में दिखाई देती है। इसलिए भविष्य में

विरोध गरिमापूर्ण तरीके से किया जाए। स्पीकर के निर्देश के बाद भी श्रम संस्कृति पार्टी के सांसद छाती पर पर्चे लगाए हुए ही सदन में बैठे रहे।इससे पहले विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के तरफ से सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का जवाब देने की मांग की थी। हालांकि, प्रधानमंत्री सदन में उपस्थित नहीं हुए। उनकी ओर से वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने जवाब दिया। आज सांसदों ने इसी विषय पर विरोध किया था।

# बांग्लादेश में खसरे का कहर, 24 घंटे में छह बच्चों की मौत, मृतकों का आंकड़ा 459 पहुंचा

**एजेंसी**

**ढाका।** बांग्लादेश में सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों से छह और बच्चों की मौत हो गई। इसके साथ ही देश में मृतकों की संख्या बढ़कर 459 हो गई है। 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश' (यूएनबी) ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) ने इनमें से एक मौत को खसरे से जुड़ी बताया है, जबकि बाकी पांच मौतों को संदिग्ध माना गया है। अब तक खसरे से होने वाली पक्की मौतों की संख्या 75 पहुंच गई है, जबकि 384 मौतों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है।

डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में खसरे के 1,274 संदिग्ध मामले सामने आए। इसके साथ ही कुल मामलों की संख्या बढ़कर 57,846 हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, 'पिछले 24 घंटों में खसरे के 243 नए पक्के मामले सामने आए, जिससे कुल

संक्रमितों की संख्या 7,767 हो गई है। '15 मार्च से अब तक 42,092 संदिग्ध मरीज अस्पताल में भर्ती किए गए हैं, जिनमें से 37,744 लोग ठीक होकर घर लौट चुके हैं। बांग्लादेश में खसरे और खसरे जैसे लक्षणों से 12 बच्चों की मौत हुई थी। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' के अनुसार, इनमें से चार बच्चों में खसरे की पुष्टि हुई थी, जबकि बाकी आठ बच्चों में इस बीमारी जैसे लक्षण थे। संक्रमण तेजी से फैलने के बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि वह चल रहे खसरा टीकाकरण अभियान को प्राथमिकता दे। साथ ही स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में 'फीवर कॉर्नर' (बुखार जांच केंद्र) बनाने की भी सलाह दी गई है, ताकि खसरा और निमोनिया जैसी बीमारियों का जल्दी पता लगाया जा सके।

यह अपील ढाका में बांग्लादेश लंग फाउंडेशन और चेस्ट एंड हार्ट एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश की ओर से आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। 'सोचेतोन नागरिक समाज' नाम के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने ढाका के धनमंडी 27 इलाके में मानव श्रृंखला बनाई। उन्होंने पूर्व अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस और उनकी स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम के खिलाफ खसरे से हुई मौतों को लेकर कार्रवाई की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग भी उठाई गई।

मार्च के मध्य से अब तक बांग्लादेश में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में इस पूरे मामले को 'टाला जा सकने वाला संकट' बताया गया। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि यूनुस के नेतृत्व वाली पिछली अंतरिम सरकार ने पहले से काम कर रही वैक्सीन खरीद व्यवस्था को खत्म कर दिया, लेकिन उसकी जगह नई व्यवस्था ठीक से खड़ी नहीं कर पाई।

# ईरान ने दी सैन्य जवाब की चेतावनी, अराघची का दावा-अब अमेरिकी घरों तक पहुंच रहा युद्ध का खर्च

**एजेंसी**

**तेहरान।** ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के हमलों से तेहरान को भले ही नुकसान पहुंचा है, लेकिन इस लड़ाई का असर अमेरिकी जनता के पॉकेट पर भी हो रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर को लेकर अब तक कोई बात नहीं बन पाई है। इस बीच रूस की तरफ से यह चेतावनी जारी की गई कि अगले कुछ घंटों या दिनों में अमेरिका और इजरायल ईरान पर फिर से हमले शुरू कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अराघची भी बातचीत फेल होने पर अमेरिका के साथ सैन्य लड़ाई फिर से शुरू करने को तैयार हैं। दोनों पक्षों में मैसेज के एक्सचेंज के बीच ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि ईरान पर अमेरिका-इजरायल युद्ध से हुए नुकसान के बावजूद इस लड़ाई का असर अमेरिकी घरों पर भी पड़ रहा है। ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने एक्स पर लिखा, 'अमेरिकियों से कहा गया है कि उन्हें ईरान पर अपनी पसंद के युद्ध का बढ़ता खर्च उठाना होगा। गैस की कीमतों में बढ़ोतरी और स्टॉक मार्केट के बुलबुले को एक तरफ रख दें। असली दर्द तब शुरू होता है जब अमेरिका के कर्ज और मॉर्गेज रेट बढ़ने लगते हैं। ऑटो लोन की देनदारी पहले ही 30 से ज्यादा साल के सबसे ऊंचे लेवल पर है।' इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी वित्त बॉन्ड पर बढ़ती यील्ड की एक तस्वीर भी दिखाई। अराघची ने अंदाजा लगाया कि यह दबाव जल्द ही उधार लेने की बढ़ती लागत में बदल जाएगा, जिससे संभावित मंदी आ सकती है। वहीं लड़ाई की वजह से ईरान को हो रहे वित्तीय नुकसान की बात करें, तो यहां भी महंगाई तेजी से बढ़ रही है। ईरानी परिवारों के लिए खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल के आखिर में फारसी कैलेंडर महीने में खाने के दाम 115 फीसदी तक पहुंच गए हैं। कई जरूरी चीजें जैसे खाना पकाने का तेल, चावल और चिकन की कीमत पिछले साल के मुकाबले तीन गुना बढ़ गई है। हाल के हफ्तों में खाने, दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, कारों और पेट्रो केमिकल प्रोडक्ट्स की कीमतें नई ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। ईरानी अर्थव्यवस्था पर इस लड़ाई का साफ असर देखने को मिल रहा है। शनिवार को तेहरान के खुले बाजार में रियाल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 1.8 मिलियन पर था।

## होर्मुज के पास मालवाहक जहाज पर हमले के बाद दक्षिण कोरिया ने ईरान से मांगा स्पष्टीकरण

**एजेंसी**

**सियोल।** होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट दक्षिण कोरिया के एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले के बाद दक्षिण कोरिया ने ईरान से इस मामले पर स्पष्टीकरण और विस्तृत जानकारी मांगी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब पश्चिम एशिया क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है।दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री चो ह्यून ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से टेलीफोन

पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने जहाज पर हुए हमले को लेकर ईरान का पक्ष जानने और घटना से संबंधित जानकारी साझा करने का अनुरोध किया। रिपोर्टों के मुताबिक, दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने प्रारंभिक स्तर पर घटना के संभावित कारणों और जिम्मेदार पक्षों को लेकर आकलन किया है। एक अधिकारी ने संकेत दिया कि शुरुआती जांच में अन्य संभावनाएं सीमित नजर आ रही हैं, हालांकि सरकार ने अभी तक सार्वजनिक रूप से किसी देश या समूह पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया है।

# भारत-यूरोपीय संघ के संबंध आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं बल्कि साझा मूल्यों लोकतंत्र पर भी आधारित : पीएम मोदी

**एजेंसी**

**गोथेनबर्ग ।** प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन के गोथेनबर्ग में यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री (ईआरटी) को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और यूरोप के बीच साझेदारी केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है बल्कि यह साझा मूल्यों, लोकतंत्र और विविधता द्वारा निर्देशित है। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला लेयेन, यूरोप के उद्योग जगत के शीर्ष नेतृत्व तथा प्रमुख यूरोपीय व भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों ने वोल्वो ग्रुप द्वारा आयोजित इस संवाद में भाग लिया। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के बयान के अनुसार, अपने मुख्य संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और यूरोप के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर प्रकाश डाला और कहा कि आज के जटिल और अनिश्चित वैश्विक माहौल में विश्वसनीय साझेदारियों का महत्व बहुत अधिक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत और यूरोप की साझेदारी केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह साझा मूल्यों की साझेदारी है। यह लोकतंत्र और विविधता की साझेदारी है। यह विश्वास और पारदर्शिता की साझेदारी है... ' उन्होंने कहा, 'यूरोपियन राउंडटेबल फॉर इंडस्ट्री जैसे प्रतिष्ठित मंच को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। आपमें से कुछ से मैं पहले मिल चुका हूं और कुछ से आज पहली बार मिल रहा हूं। एक बात निश्चित है कि आप सभी किसी न किसी रूप में भारत से जुड़े हुए हैं... 'प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन को इस राउंड टेबल के लिए आमंत्रित करने हेतु धन्यवाद देता हूं। मुझे खुशी है कि यह बैठक गोथेनबर्ग में आयोजित हो रही है... 'प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन में प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा, 'हम भारत-यूरोप सीईओ राउंड-टेबल का आयोजन हर वर्ष कर सकते हैं। इसमें भारत और यूरोप के उद्योग संगठनों को जोड़ा जा सकता है। क्षेत्र-विशेष कार्य समूह भी बनाए जा सकते हैं... ' उन्होंने आगे कहा, 'भारत सरकार इन सभी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने में आपकी सहायता करेगी। हम इन परियोजनाओं की समीक्षा के लिए एक संस्थागत व्यवस्था भी बना सकते हैं... ' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पांचवां क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान का है। फिलिप्स, नेस्ले और यूनीलिवर जैसी कंपनियों का भारत के साथ पुराना संबंध है। अब हमें इस साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाना चाहिए। वैक्सीन, कैंसर देखभाल, डिजिटल स्वास्थ्य, पोषण और मेडिकल उपकरणों में व्यापक संभावनाएं हैं...। ' उन्होंने कहा, 'सस्टेनेबल सीमेंट, ग्रीन स्टील, मोबिलिटी, लॉजिस्टिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत और यूरोप की साझेदारी विश्वस्तरीय परिणाम दे सकती है। ' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारत ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। आप भारत में बड़े पैमाने पर निवेश कर सकते हैं। ' उन्होंने कहा, 'एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और डीप टेक मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एएसएमएल, एनएक्सपी, एसएपी और कैपजेमिनी जैसी कंपनियां मौजूद हैं। मैं वैश्विक तकनीकी नेताओं को भारत के तेजी से बढ़ते एंड-टू-एंड टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम का भागीदार बनने के लिए आमंत्रित करता हूं...। '

page 1 and 8 may 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/19/2026 1:06 AM Page 2



# स्थानीय समाचार

## सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जम्मू-कश्मीर ट्रैफिक पुलिस को 350 आधुनिक वाहन, 685 बॉडीकैम मिले

**जम्मू, 18 मई (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर ट्रैफिक पुलिस को यातायात निगरानी, प्रबंधन और विनियमन को मजबूत करने के लिए सड़क सुरक्षा उपकरणों से लैस 350 आधुनिक वाहन मिले हैं जिनमें 685 बॉडी-वेर्न कैमरे, इंटरसेप्टर वाहन और गश्ती इकाइयां शामिल हैं। आधुनिक उपकरणों को शामिल करने प्रवर्तन उपायों, जागरूकता अभियानों और सड़क सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के कारण केंद्र शासित प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में दुर्घटनाओं में लगातार गिरावट दर्ज की गई है।

अधिकारियों ने कहा कि प्रवर्तन क्षमताओं में सुधार करने और पूरे जम्मू-कश्मीर में सड़क सुरक्षा उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सड़क सुरक्षा निधि से 350 से अधिक वाहन और 1000 से अधिक प्रवर्तन संपत्तियां खरीदी गई हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विभाग ने क्षेत्र प्रवर्तन और राजमार्ग प्रबंधन के लिए 213 पल्सर मोटरसाइकिल 69 रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल 19 मोबाइल इंटरसेप्टर वाहन, 16 राजमार्ग गश्ती इनोवा वाहन, सात हाइड्रा क्रेन, 23 क्रेन और तीन टाटा विंगर वाहन खरीदे हैं। यातायात विनियमन और प्रवर्तन कार्यों के दौरान पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार के लिए प्रवर्तन एजेंसियों को 685 बॉडी-वॉर्न कैमरों से भी लैस किया गया है। इसके अलावा विभाग ने 1,625 ट्रैफिक नाइट सेफ्टी बेल्ट 560 आयरन बैरिकेड्स, 687 एलईडी ट्रैफिक बैटन, 687 ट्रैफिक सेफ्टी जैकेट, 437 मूवेबल बैरिकेड्स, 231 फिक्स्ड बैरिकेड्स लोहे की चेन के साथ 562 ट्रैफिक कोन, 64 ब्रीथ अल्कोहल एनालाइजर और 100 फर्स्ट रिस्पॉन्डर किट खरीदे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संचालित प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए यातायात प्रवर्तन एजेंसियां पूरी तरह से 100 प्रतिशत ई-चालान प्रणाली में स्थानांतरित हो गई हैं।

## राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार पहल के तहत महिला जन सुनवाई का आयोजन करेगा

**श्रीनगर, 18 मई (हि.स.)।** राष्ट्रीय महिला आयोग अपने प्रमुख जनसंपर्क कार्यक्रम राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार के अंतर्गत 19 मई, 2026 को श्रीनगर के एम ए रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में महिला जन सुनवाई सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की शिकायतों को सुनना और उनका शीघ्र निवारण सुनिश्चित करना है।

यह पहल देशव्यापी महिला जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत आयोजित की जा रही है जिसका उद्देश्य श्रीनगर जिले की महिलाओं को अपनी चिंताओं को व्यक्त करने और अपने अधिकारों, कल्याण और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के समाधान की मांग करने के लिए एक सीधा मंच प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनसंपर्क तंत्र को मजबूत करना और महिलाओं तथा आयोग के बीच सीधे संवाद को सुगम बनाना है ताकि शिकायतों का प्रभावी और समयबद्ध तरीके से समाधान किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों और शिकायतों के निवारण के लिए उपलब्ध संस्थागत सहायता के बारे में जागरूक करना भी है। राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार पहल के माध्यम से आयोग जमीनी स्तर पर महिलाओं तक पहुंच रहा है ताकि उनकी आवाज़ सुनी जा सके और समन्वित संस्थागत हस्तक्षेप के माध्यम से उनकी चिंताओं का समाधान किया जा सके। श्रीनगर जिले की महिलाएं 19 मई, 2026 को सुबह 9-30 बजे बैंक्वेट हॉल कॉन्फ्रेंस कॉम्प्लेक्स में आयोजित सत्र में भाग ले सकती हैं और महिला आयोग की अध्यक्ष से सीधे बातचीत करके अपने कल्याण, सुरक्षा और अधिकारों से संबंधित मुद्दों को उठा सकती हैं।

## बिहार विधानसभा की अल्पसंख्यक कल्याण समिति ने मुख्यमंत्री सलाहकार और सकीना इटू से की मुलाकात

**श्रीनगर, 18 मई (हि.स.)।** बिहार विधानसभा की अल्पसंख्यक कल्याण समिति जिसके अध्यक्ष अख्तरुल इमान हैं ने आज जम्मू-कश्मीर के अपने दौरे के दौरान स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू और मुख्यमंत्री सलाहकार नासिर असलम वानी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान बिहार और जम्मू-कश्मीर के विकास परिदृश्य पर विस्तृत चर्चा हुई जिसमें विशेष रूप से कल्याणकारी पहलों, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। पारस्परिक हित के मामलों के साथ-साथ दोनों क्षेत्रों के बीच सहयोग को मजबूत करने और अनुभवों के आदान-प्रदान के अवसरों पर भी चर्चा हुई। आगंतुक प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में चल रही विकास पहलों और शासन उपायों की सराहना की। दोनों पक्षों ने समावेशी विकास और जन कल्याण के लिए सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

## कांग्रेस ने गंग्याल में चलाया संगठन सृजन अभियान, रमन भल्ला ने बेरोजगारी, महंगाई और बिजली संकट को लेकर सरकार पर साधा निशाना

**जम्मू, 18 मई (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) जिला जम्मू अर्बन की ओर से बहु विधानसभा क्षेत्र के गंग्याल में रविवार को संगठन सृजन अभियान के तहत विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम जिला अध्यक्ष योगेश साहनी के नेतृत्व में आयोजित हुआ जबकि इसकी अध्यक्षता जेकेपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मुला राम, अब्दुल मजीद वानी, पूर्व एमएलसी सुभाष गुप्ता सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए रमन भल्ला ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी, महंगाई और बुनियादी सुविधाओं की बदहाल स्थिति से आम जनता परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षित युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है जिससे युवाओं में निराशा बढ़ रही है। भल्ला ने जम्मू शहर और आसपास के क्षेत्रों में खराब सड़कों, पेयजल संकट, अघोषित बिजली कटौती, खराब ड्रेनेज व्यवस्था और सफाई संबंधी समस्याओं को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाएं लगातार देरी का शिकार हो रही हैं जबकि आम लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

बिजली संकट का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन अतिरिक्त बिजली खरीदने के बजाय अघोषित कटौती कर कमी को छिपाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि जम्मू क्षेत्र में 450 से 500 मेगावाट बिजली की कमी है और विभिन्न ग्रिड स्टेशनों से रात के समय बड़े पैमाने पर बिजली कटौती की गई। रमन भल्ला ने बढ़ते नशे के खतरे पर भी चिंता जताते हुए कहा कि युवाओं का भविष्य दांव पर लगा है और नशा तस्करी रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

पूर्व मंत्री मुल्ला राम ने महंगाई और बढ़ती कीमतों से गरीब, मजदूर और किसान वर्ग पर पड़ रहे असर का मुद्दा उठाया।

वहीं पूर्व मंत्री अब्दुल मजीद वानी ने सांप्रदायिक सौहार्द, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष योगेश साहनी ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और जनता से सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी। कार्यक्रम के अंत में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

## कठुआ-उधमपुर एक दशक से अधिक समय में विकास केंद्र के रूप में उभरा

**जम्मू, 18 मई (हि.स.)।** विकास की कहानी में व्यापक बदलाव को दर्शाते हुए जम्मू-कश्मीर में कठुआ-उधमपुर संसदीय क्षेत्र में एक दशक से अधिक समय में एक दृश्यमान और मापने योग्य परिवर्तन आया है।यह निर्वाचन क्षेत्र आज उच्च प्रभाव वाले बुनियादी ढांचे से लेकर शिक्षा, उद्योग, कनेक्टिविटी, तीर्थयात्रा सुविधाओं और ग्रामीण उत्थान तक एकीकृत विकास का एक मॉडल प्रस्तुत करता है। यह बात केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कही

उन्होंने आगे कहा कि कठुआ, उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ और रामबन नामक पांच जिलों वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में पिछले दस वर्षों में विकास की संस्कृति बदल गई है और हम वादों से प्रदर्शन की ओर फाइलों से फील्डवर्क की ओर बढ़ गए हैं। निर्वाचन क्षेत्र में विकासात्मक परिवर्तन और बुनियादी ढांचे की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि कठुआ-उधमपुर इस विकास यात्रा का प्रतीक है और यह क्षेत्र इस बात का जीवंत उदाहरण है कि निरंतर राजनीतिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक हस्तक्षेप और बुनियादी ढांचे का निवेश भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र की नियति को अवसर और प्रगति के केंद्र में कैसे बदल सकता है।

इस बदलाव का एक परिभाषित प्रतीक जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग है जिसका उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उन्होंने कहा कि आगामी कटरा-दिल्ली एक्सप्रेसवे से यात्रा के समय को पांच से छह घंटे तक कम करने की उम्मीद है जबकि सीमा सड़क संगठन ने निर्वाचन क्षेत्र में 200 से अधिक पुल बनाए हैं। उन्होंने आगे कहा कि उधमपुर में 190 करोड़ रुपये की देविका रिवरफ्रंट परियोजना ने पवित्र देविका रिवरफ्रंट को एक आधुनिक शहरी स्थान में बदल दिया है।

## पीएम-एसवाईएम योजना की समीक्षा, डीसी ने असंगठित मजदूरों तक पहुंच बढ़ाने पर दिया जोर

**कठुआ, 18 मई (हि.स.)।** डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने सोमवार प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक की। बैठक में योजना के तहत पंजीकरण की स्थिति, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों तक पहुंच में आ रही बाधाओं और अधिक से अधिक लाभार्थियों को जोड़ने की रणनीति पर चर्चा की गई।

सहायक श्रम आयुक्त पियूषा खजूरिया ने योजना के तहत वर्तमान पंजीकरण और नामांकन प्रक्रिया को सरल बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि मजदूरों, रेहड़ी-पटरी वालों और घरेलू कामगारों को योजना के लाभों के बारे में जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाए जाएं और जमीनी स्तर पर कैंप आयोजित किए जाएं। इसके बाद उपायुक्त ने जनभागीदारी एम्पावरमेंट पोर्टल की भी समीक्षा की और विकास कार्यों में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने के समय पर अपडेट करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखने और डिजिटल माध्यम से जनता की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

## जालसाजी, साक्ष्य नष्ट करने के आरोप में पूर्व अधीक्षण अभियंता पर आरोपपत्र दाखिल

**श्रीनगर, 18 मई (हि.स.)।** अपराध शाखा जम्मू-कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तत्कालीन प्रभारी अधीक्षक अभियंता, जम्मू-कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम (अब सेवानिवृत्त) के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 और 201 आरपीसी के तहत एफआईआर संख्या 09/2015 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर के माननीय न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र दायर किया है। तत्कालीन प्रभारी अधीक्षक अभियंता जम्मू-कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम के सेवा रिकॉर्ड में जन्म तिथि में हेरफेर का आरोप लगाने वाली एक लिखित शिकायत प्राप्त होने पर पी/एस अपराध शाखा कश्मीर (अब आर्थिक अपराध शाखा कश्मीर) में एक जांच शुरू की गई थी। जांच से पता चला कि आरोपी ने अनुचित सेवा लाभ प्राप्त करने के लिए आधिकारिक सेवा रिकॉर्ड में 28-10-1955 से 28-10-1958 तक अपनी जन्मतिथि में धोखाधड़ी की। एफएसएल श्रीनगर और जेएंडके बोस सत्यापन रिपोर्ट के माध्यम से हेरफेर की पुष्टि की गई थी। आरोपी ने साक्ष्य छुपाने के लिए अपनी मूल सेवा पुस्तिका को भी नष्ट कर दिया जिसके परिणामस्वरूप धारा 201 आरपीसी लागू की गई। तत्काल मामले में जांच उसके खिलाफ साबित होने पर समाप्त की गई और तदनुसार न्यायिक निर्धारण के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे आर्थिक धोखेबाजों के खिलाफ सतर्क रहें और ऐसी किसी भी घटना की रिपोर्ट सीधे एसएसपी ईओडब्ल्यू कश्मीर, अपराध शाखा जम्मू-कश्मीर को करें।

## 20 मई को सांबा जिले के सभी मैडिकल स्टोर 24 घंटे के लिए पूर्ण रूप से रहेंगे बंद

**सांबा, 18 मई (हि.स.)।** केमिस्ट एसोसिएशन सांबा जिले की एक आपातकालीन बैठक साम्बा में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष नीलम सिंह सांब्याल ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि राष्ट्रव्यापी आह्वान पर 20 मई को सांबा जिले की सभी मैडिकल स्टोर 24 घंटे के लिए पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि बंद के दौरान यदि कोई भी दुकान खुली पाई गई तो उस पर यूनियन द्वारा 10,000 का आर्थिक दंड लगाया जाएगा। अध्यक्ष नीलम सिंह सांब्याल ने बताया कि आए दिन विभागों द्वारा की जाने वाली अनावश्यक जांचों से व्यापारियों को ग्राहकों के सामने शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। व्यापार पहले से ही कई चुनौतियों से जूझ रहा है।

## उधार की नेमतों का बोझ- क्यों अहंकार इंसान की सबसे बड़ी रूहानी तबाही है

**आमिर इकबाल खान**

क्या आपने कभी ठहरकर यह सोचा है कि इंसान की वह कौन-सी आदत है, जिसे अल्लाह की नजर में सबसे अधिक नापसंद किया गया है? इसका जवाब जितना सरल है, उतना ही बेचैन कर देने वाला भी — वह है अहंकार। वही छिपा हुआ घमंड, जो अक्सर इंसान के भीतर बिना एहसास के घर कर जाता है और धीरे-धीरे उसकी सोच और व्यवहार पर हावी होने लगता है। अक्सर देखा जाता है कि एक अज्ञानी व्यक्ति उन चीजों पर घमंड करने लगता है, जिन्हें उसने वास्तव में कभी हासिल ही नहीं किया। कभी अपने पद पर, कभी दौलत पर, कभी क्षणिक प्रसिद्धि पर तो कभी उस सुंदरता पर, जिसे समय एक दिन छीन लेता है। यदि इंसान ईमानदारी से अपने जीवन पर विचार करे तो उसे समझ आएगा कि यह सब कुछ स्थायी नहीं है। यह उसकी निजी उपलब्धियां नहीं, बल्कि ऊपर वाले की दी हुई उधार की नेमतें हैं। इंसान की जिंदगी स्वयं एक ऐसे धागे पर टिकी है, जिसे उसने कभी बुना ही नहीं, फिर भी वह इस तेज रफ्तार दुनिया में ऐसे चलता है मानो अपनी तकदीर का मालिक वही हो। यही भ्रम और यही घमंड उसकी सबसे बड़ी भूल बन जाता है। अहंकार केवल स्वयं को बड़ा समझने का नाम नहीं है। इसका वास्तविक स्वरूप उससे कहीं अधिक गहरा और खतरनाक है। जब सच सामने खड़ा हो और इंसान उसे स्वीकार करने से इनकार कर दे, वहीं से अहंकार जन्म लेता है। जब उसे भीतर से महसूस हो कि वह गलत है, उसके कर्म दूसरों को तकलीफ पहुंचा रहे हैं, फिर भी वह अपनी गलती मानने को तैयार न हो, तो यही घमंड का सबसे भयावह रूप होता है।

कई लोग अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय पूरी दुनिया से लड़ जाना पसंद करते हैं, लेकिन मैं गलत था जैसे शब्द उनके होंठों तक नहीं पहुंचते। यदि हर प्रमाण यह साबित कर दे कि इंसान गलत है और इसके बावजूद वह सच को स्वीकार न करे, तो समझ लेना चाहिए कि उसका अहंकार उसे अंदर से अंधा बना चुका है।

## श्री अमरनाथ यात्रा 2026-डीसी कठुआ ने लॉजमेंट केंद्रों का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

**कठुआ, 18 मई (हि.स.)।** डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 के मद्देनजर चिन्हित लॉजमेंट केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों और आपातकालीन व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवास, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी केंद्र किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। डीसी ने बेडिंग, साफ-सफाई, शौचालयों की व्यवस्था, बिजली-पानी की निर्बाध आपूर्ति और पर्याप्त स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उन्होंने सभी सुविधाओं की 24 घंटे निगरानी और उच्च स्तर की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा, एडीसी विशवजीत सिंह, आईएएस प्रोबेशनर निधि सहित अन्य अधिकारी मौजूद